Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 131 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज



दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

गांव-गांव तक सड़क, पुल, शिक्षा और रोशनी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : केदार कश्यप

मंत्री केदार कश्यप ने किया 28 करोड़ से अधिक के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन

किसानों ने धान की बालियाँ भेंटकर जताया आभार

नक्सलवाद की काली छाया हटने के बाद बस्तर में विकास की रफ्तार तेज



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग में विकास को नई गति देने के उद्देश्य से मंगलवार 24 नवंबर को नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले कोण्डागांव व बस्तर जिला के ग्रामों में 28 करोड़ रुपये से अधिक के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें कोण्डागांव जिला अंतर्गत 10 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक की लागत के 10 विभिन्न विकास कार्य एवं बस्तर जिला के अंतर्गत 16 करोड़ 80 लाख से अधिक के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी से जुड़े विकास कार्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आज का भूमिपूजन केवल निर्माण कार्यों की शुरुआत नहीं, बल्कि गांव-गांव तक सड़क, पुल, शिक्षा और रोशनी पहुंचाने के संकल्प को दोहराने का अवसर है। क्षेत्र में भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मूलमंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अनुरूप राज्य सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य प्रत्येक क्षेत्र का संतुलित विकास करना और हर नागरिक तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के प्रभाव के कारण बस्तर के अनेक क्षेत्र लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। माओवादी आतंकवाद की काली छाया हटने के बाद बस्तर में विकास की रफ्तार तेज हुई है। अब बस्तर के कोने-कोने में विकास के माध्यम से विकसित और उज्ज्वल छत्तीसगढ़ की नींव रखी जा रही है।

मंत्री श्री कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कोण्डागांव जिले में 10 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक की लागत के 10 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वहीं, बस्तर जिला के नवा रतेंगा परिपातपारा से बड़े बदरेंगा तक साढ़े पांच किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पांच करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र का संपर्क बेहतर होगा, ग्रामीणों को बाजार तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगा। इसके साथ ही छोटे आमाबाल में भानपुरी-मुण्डागांव-नारायणपाल मार्ग पर नारंगी नदी में 10 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण किया जाएगा। इस पुल के बन जाने से बरसात के दिनों में भी आवागमन की समस्या दूर होगी और आसपास के कई गांव आपस में जुड़ सकेंगे।

जमीन पर बैठकर लोगों से की बातचीत :

कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप बस्तर में विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान निरंतर जनता से संवाद करते नजर आए। बुजुर्गों से बात करने के लिए मंत्री श्री कश्यप जमीन पर भी उनके साथ बैठ गए। इस दौरान मंत्री श्री कश्यप ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी ली और उनसे मिलने वाले लाभ की जमीनी हकीकत को जाना।

किसान हितैषी निर्णयों पर जताया आभार :

इस दौरान ग्राम बड़े आमाबाल में किसानों ने कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप से मुलाकात कर राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के प्रति खुशी और आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी तथा 13 हजार 879 रुपये प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान किए जाने से किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। इन निर्णयों से किसानों की मेहनत को सम्मान मिला है और खेती-किसानी को मजबूती मिली है। किसानों ने मंत्री श्री केदार कश्यप को धान की बालियाँ भेंटकर किसान हित में लिए गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का आभार जताया। धान की बालियाँ भेंट करना किसानों की ओर से अपनी खुशी, विश्वास और कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक रहा। कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप ने किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की मेहनत का उचित सम्मान करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

युवाओं का भाजपा प्रवेश :

कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप के समक्ष मंगलवार, 24 नवंबर को कोण्डागांव जिले के ग्राम हड़ेली में बड़ी संख्या में युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर युवाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

मंत्री श्री केदार कश्यप ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी युवाओं का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि युवाओं का भारतीय जनता पार्टी से जुड़ना पार्टी की विचारधारा और विकासोन्मुखी कार्यों के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र और समाज की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। उनकी ऊर्जा, संकल्प और सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। भाजपा युवाओं को राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के कार्यों में आगे बढ़ने के लिए निरंतर अवसर प्रदान करती है। उन्होंने नवप्रवेशी युवाओं से संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रदेश महिला मोर्चा की टीम पहुँची उत्तरप्रदेश, घर-घर दे रही दस्तक



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा (छत्तीसगढ़) की टीम विगत 20 नवम्बर को उत्तरप्रदेश पहुँची, जहाँ यह टीम भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व के पक्ष में प्रचार-प्रसार करेगी। ज्ञातव्य है, छत्तीसगढ़ की महिला नेत्रियाँ दो बसों में 18 नवम्बर को उत्तरप्रदेश के लिए रवाना हुई जहाँ वे भाजपा की योजनाओं और नीतियों को लेकर घर-घर दस्तक देंगीं ।

योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उत्तरप्रदेश सुरक्षित और समृद्धि की ओर : विभा अवस्थी

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने बताया कि हमारे साथ प्रदेशभर की 73 महिला नेत्रियाँ आगामी उत्तरप्रदेश चुनाव के मद्देनजर सरकार की योजनाओं और नीतियों का प्रचार-प्रसार करने उप्र पहुँची हैं । यहाँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनता का प्रतिसाद अप्रत्याशित है। लोगो में 'योगी महाराज' के प्रति अटूट विश्वास है। यहाँ आम जनमानस के मन में सुरक्षित और समृद्ध उत्तरप्रदेश निर्माण के लिए एकमात्र विश्वासपूर्ण चेहरा श्री योगी ही हैं । श्रीमती अवस्थी ने बताया कि हमारे द्वारा स्थानीय महिलाओं से सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर सम्पर्क साधा गया। महिलाओं में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर भरपूर समर्थन और सार्थक नजरिया है। स्थानीय महिलाएँ एकमत होकर 'योगी महाराज' के सुरक्षित एवं सबल उत्तरप्रदेश मॉडल के साथ मजबूती से खड़ी हैं और जनता का प्रतिसाद देख कर हम पूर्ण विश्वास और बहुमत के साथ तीसरी बार उत्तरप्रदेश में भाजपा और योगी महाराज की सरकार बनाने जा रहे हैं ।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अवस्थी ने बताया कि उत्तरप्रदेश प्रवास में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री शीतल नायक अन्य महिला नेत्रियाँ उत्तरप्रदेश में योगी सरकार बनाने का संकल्प लेकर उप्र आई हैं ।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी की आप में घर वापसी



रायपुर (विश्व परिवार)। आम आदमी पार्टी (क) छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने आज पुनः आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उनकी वापसी से प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखा जा रहा है। प्रदेश प्रभारी मुकेश अहलावत और सहप्रभारी सौरभ झा के समक्ष कोमल हुपेंडी की घर वापसी हुई है। कोमल हुपेंडी ने वर्ष 2016 में आम आदमी पार्टी के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। उनकी कार्यक्षमता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी। 16 जनवरी 2024 को उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिसके पश्चात अप्रैल 2024 में वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। हालांकि, कुछ दिन पूर्व ही उन्होंने भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और आज पुनः अपने पुराने परिवार आम आदमी पार्टी में लौट आए हैं।

पार्टी नेताओं का मानना है कि

आशा दीदीयों का सम्मान एवं आंगनबाड़ी के बच्चों को कराया न्योता भोज



आरंग (विश्व परिवार)। स्थानीय सोनू पुस्तक के संचालक बृजेश कुमार अग्रवाल ने अपने गृह ग्राम रेताल ,भीमखोज खल्लारी जाकर आशा दीदी एवं सभी बच्चों को शासन के द्वारा निर्धारित अभिनव पोषक आहार योजना के अंतर्गत नेवता भोज का कार्यक्रम किया द्य

कार्यक्रम की शुरुआत अपने पिताजी स्व श्री कपिल नारायण अग्रवाल द्वारा प्रदत्त भूमि पर निर्मित आँगन बाड़ी केंद्र में छत्तीसगढ़ी महतारी के पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण से प्रारंभ हुआ द्य ग्राम प्रमुखों एवं अतिथियों का सम्मान बच्चों द्वारा गुलाल लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया ,द्य तत्पश्चात बृजेश कुमार अग्रवाल एवं ग्रीष्मा अग्रवाल द्वारा आशा दीदीयों को श्री फल ,गुलदस्ता ,राजकीय मुद्रा से सम्मानित किया गया द्य नेवता भोजन में केला, सेव, राजगीर लड्डू , मुर्रा लड्डू, तीली लड्डू ,एवं प्रसादी सभी बच्चों एवं उपस्थित गणमान्य ग्रामीणों ने कियाद्य इस कार्यक्रम को गरिमा मय रूप में संचालित करने के लिए सुरेश पटेल, रोशन लाल साहू, प्रकाश चंद्राकर,मन्नू लाल,खोलबहरीन बघेल,मालती पटेल, सुकबती बारीहा ,पप्पू राम सबर, जागेश्वरी बारीहा ,उषाबाई ध्रुव , आद्या अग्रवाल, भव्या अग्रवाल एवं अन्य ग्रामीणों का अच्छा सहयोग रहा द्य

महापौर ने फिल्टर प्लांट, इंटेकवेल, सब स्टेशन, रॉ वाटर पाईप लाईन का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने प्रस्तावित 150 एमएलडी नवीन फिल्टरप्लांट के डुंडा स्थित शासकीय स्कूल के पास स्थल, जो कि लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक से बनाया जाना प्रस्तावित है, का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान महापौर ने सम्बंधित अधिकारियों से पूछा कि नया फिल्टरप्लांट चालू होने से इसमें कितनी नई पानी टंकियां सप्लाई देने जुड़ेंगी और वर्तमान और पुराने फिल्टरप्लांट पर से कितनी पानी टंकियों का सप्लाई प्रेसर कम होगा.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने इंटेकवेल खारून नदी में कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय के पास लगभग 16 मीटर व्यास का इंटकवेल, जिसमें 33 केवी का सब स्टेशन एप्रोच ब्रिज के साथ



बनाया जाना है एवं माना मुख्य नहर से प्राप्त होने वाली रॉ वाटर पाइप लाइन का निरीक्षण किया.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने निरीक्षण के दौरान इंटेकवेल से दतरेंगा कान्दुल होते हुए डुंडा तक 1200 एमएम व्यास की 6.5 किलोमीटर पाइप लाइन को प्रत्यक्ष देखा और इस सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने डुंडा से संतोषी नगर चौक तक 1200 एमएम व्यास की क्लीयर वाटर 5.5 किलोमीटर पाइप लाइन का निरीक्षण किया और सभी रोड हेतु राज्य लोक निर्माण विभाग एवं अन्य शासकीय विभागों से की एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) की जानकारी अधिकारियों से मांगी.महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निरीक्षण के दौरान नगर पालिक निगम रायपुर के अपर आयुक्त श्री लोकेश्वर साहू एवं कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंह फरेन्द्र सहित सम्बंधित कंसल्टेट की तकनीकी टीम के सम्बंधित प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही.

मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में विकास कार्यों का भूमिपूजन

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शहर को 68 करोड़ 37 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। खुर्सीपार आईटीआई स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की उपस्थिति में 182 विकास कार्यों के लिए 54 करोड़ 95 लाख रुपये का भूमिपूजन तथा 24 विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ 41 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस प्रकार कुल 206 विकास कार्यों की सौगात भिलाई को मिली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की मांग पर जुनवानी, साकेत नगर, कुरूद एवं सुंदर विहार में सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये तथा कोसा नाला से कुटेला भाठा तक सड़क निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके साथ ही सांसद विजय बघेल की मांग पर ऑडिटोरियम एवं इंडोर स्टेडियम निर्माण की घोषणा



भी की गई। इन घोषणाओं से शहर के अधोसंरचनात्मक विकास को नई दिशा मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित आवासों के सम्बन्ध में चर्चा किये। भिलाई में संचालित बढ़े विकास कार्यों की जानकारी साझा किये, तथा बीएसपी रिटेंशन आवास के मामले में प्रभावित नागरिकों को राहत दिलाने के विषय पर विशेष चर्चा की। उन्होंने शहर के विकास और नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के प्रति शासन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने भिलाई में किए गए करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी समय में भी शहर को विकास कार्यों की नई सौगात दी जाएगी। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय ने बीएसपी रिटेंशन आवास मामले में नागरिकों को राहत दिलाने तथा भिलाई में हुए विकास कार्यों के संबंध में अपनी बात रखी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्वागत भाषण देते हुए क्षेत्र के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत एवं राज्यगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम में मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष राकेश पांडेय, महापौर नीरज पाल, जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह, वरिष्ठ पार्षद महेश वर्मा, विनोद सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्षेत्रीय अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन



जगदलपुर। स्थानीय कुम्हरावंड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय दक्षिण क्षेत्रीय अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह मंगलवार को हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के अधिष्ठाता डॉ आरएस नेताम ने की, जबकि अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलसचिव डॉ कपिल देव दीपक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कुरूद के अधिष्ठाता डॉ नवनीत राणा और उद्यानिकी महाविद्यालय सोनारपाल के अधिष्ठाता डॉ इशू साहू मंच पर उपस्थित रहे। इस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने खेल जीवन के संस्मरण साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके जीवन की शुरुआत एक कबड्डी खिलाड़ी के रूप में हुई थी, जिसने उन्हें धीरे-धीरे ग्रामीण, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान दिलाई। इसी जुड़ाव के चलते वे बालक वर्ग के कबड्डी फाइनल मुकाबले के साक्षी बने, जहाँ नारायणपुर और जगदलपुर की टीमों के बीच हुए रोमांचक संघर्ष ने उनकी पुरानी यादों को जीवंत कर दिया। सांसद श्री कश्यप ने कहा कि विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'खेलोगे तो खिलोगे' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसी योजनाओं ने जीवन में खेल के महत्व को स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक और डिजिटल युग में मानसिक अवसाद एक बड़ी समस्या बनकर उभर रहा है, जिसका समाधान नियमित खेलकूद से ही संभव है। उन्होंने युवाओं को भ्रमित करने वाले आंदोलनों से दूर रहने और स्वविवेक से निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया ।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./37168/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 24-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37168
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222H00153** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. SARLA BHATT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUDHIR BHATT** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती राखी जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री अखिल जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /37166/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 24-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37166
वार्ड का नाम-70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870F00268** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMAL KISHOR SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SUKHVIR SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. PRIYANKA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O RAVI KUMAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 131 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व समारोह में हुए शामिल

■ गुरुद्वारे में मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर गुरूद्वारा श्री सिंगसभा सेक्टर 6 भिलाई में आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरूद्वारा में मत्था टेका तथा पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धाभाव से लंगर में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने भी गुरूद्वारा में मत्था टेका और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।



मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रकाश पर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी गुरु नानक देव जी की जयंती मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि इस पावन अवसर पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरू नानक देव जी की जयंती को हम सभी प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने सिख समाज के संतजनों, समाज के सभी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं युवा साथियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिख समाज का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को निरंतर मिलता रहे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री रिकेश सेन, क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, श्री प्रेम प्रकाश पांडेय, संभाग आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर, आईजी श्री अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि सिख समाज के संतजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्री राम कथा में शामिल हुए

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज इस्पात नगरी भिलाई के सेक्टर-2 में आयोजित श्री राम कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ को नमन कर विश्वविख्यात कथाव्यास पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी से आशीर्वाद लिया तथा श्रद्धालुओं के साथ बैठकर भक्तिभाव से श्री राम कथा का रसपान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरू नानक देव जी की जयंती प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने माता कौशल्या की जन्मभूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव उपस्थित थे।

सीएम साय का जनदर्शन कल होगा



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम गुरुवार, 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन, रायपुर में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री साय आमजनों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय जनदर्शन के दौरान नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होंगे तथा उनके त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। जनदर्शन में आमजन अपनी समस्याओं, मांगों और सुझावों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रख सकेंगे।

वैभव सूर्यवंशी ने बनाया क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज दोहरा शतक

■ 196 रन सिर्फचौके-छक्कों से बनाए, सभी रिकॉर्ड्स चकनाचूर

दोहा। राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट इतिहास की सबसे अविश्वसनीय और विनाशकारी पारी खेल डाली है। अपने तूफानी शतक के बाद भी वैभव के बल्ले की आग शांत नहीं हुई और उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक ठोक दिया। इस करिश्माई दोहरे शतक के दौरान वैभव ने यूएई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए 28 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े यानी 200 में से 196 रन तो केवल चौकों और छक्कों की बारिश से ही बटोर लिए।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा करके वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर के क्रिकेट (वनडे और लिस्ट-ए) में सबसे तेज डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। अगर पुरुष वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास पर नजर डालें, तो वहां सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड इंग्लैंड के हैरी ब्रूक के नाम है, जिन्होंने 22 अक्टूबर 2026 को रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ 114 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था। वहीं भारत के शुभमन गिल ने 117 गेंदों (गुवाहाटी, 30 सितंबर 2026), ईशान किशन ने 126 गेंदों (चटोग्राम, 2022) और क्रिस गेल ने 138 गेंदों (कैनबरा, 2015) में दोहरा शतक बनाया था, लेकिन वैभव ने इन सभी दिग्गजों के आंकड़ों को आधे से भी कम गेंदों में पीछे छोड़ दिया है।



कई रिकॉर्ड वैभव ने कर लिए काम

इस मैराथन और आतिशी पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने हर पड़ाव पर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने सबसे पहले महज 28 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा किया और लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क (29 गेंद, 2023), एबी डिविलियर्स (31 गेंद, 2015), साकिबुल गनी (32 गेंद, 2025) और ईशान किशन (33 गेंद, 2025) जैसे धुरंधर बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

150 रन का रिकॉर्ड भी तोड़ा

शतक पूरा करने के बाद वैभव की रफ्तार और भी खतरनाक हो गई और उन्होंने अगली मात्र 12 गेंदों में अपने 150 रन भी पूरे कर लिए। महज 40 गेंदों में 150 रनों के आंकड़े तक पहुंचकर वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले साल 2025 में रांची में बिहार की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने 59 गेंदों में 150 रन बनाए थे, जबकि उनके बाद एबी डिविलियर्स (64 गेंद, 2015) और जोस बटलर (65 गेंद, 2022) का नाम आता है।

28 छक्के उड़ाए वैभव ने

एक ही पारी में 28 गेंदों में शतक, 40 गेंदों में 150 रन और फिर 52 गेंदों में 28 छक्कों की मदद से दोहरा शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया है। यूएई के खिलाफखेली गई यह विस्फोटक पारी न केवल भारत ए के लिए यादगार जीत का आधार बनी, बल्कि रिकॉर्ड बुक्स में एक ऐसा अध्याय लिख गई जिसे तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए नामुमकिन सा होगा।

कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

■ पीएम मोदी ने सेवा और परोपकार का दिया संदेश

नई दिल्ली। कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर्व को सेवा, परोपकार, श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बताते हुए सभी के जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली की कामना की। वहीं, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, दिल्ली और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने भी सोशल मीडिया के जरिए लोगों को पर्व की बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आप सभी को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन पर्व में सेवा के माध्यम से परोपकार का संदेश निहित है। पवित्र स्नान, दान-पुण्य और दीपदान से समृद्ध यह परंपरा सभी के जीवन में श्रद्धा, आस्था और सकारात्मकता का संचार करे, यही मंगलकामना है।



केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, समस्त देशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देव दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, सनातन आस्था, अध्यात्म एवं संस्कृति की दिव्य आभा से आलोकित 'देव दीपावली' की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। बाबा श्री विश्वनाथ एवं मां गंगा की कृपा से यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख-सौभाग्य, आध्यात्मिक ऊर्जा व आरोग्यता का प्रकाश फैलाए, यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्तिक पूर्णिमा को लेकर एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना व लोक-आस्था के पावन पर्व 'कार्तिक पूर्णिमा' की समस्त श्रद्धालुओं और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मां गंगा एवं भगवान श्रीहरि विष्णु की कृपा से श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक प्रकाश का यह पुण्य पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्यता का संचार करे, यही प्रार्थना है।

स्कूल बस को ट्रक ने टक्कर मारी, 4 बच्चों की मौत, 25 घायल

कन्नौज। यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सीटें उखड़ गईं। कई बच्चे सीटों के बीच फंस गए थे। माना जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ।

पंजाब में 6 साल बाद भाजपा-अकाली गठबंधन

■ मुख्यमंत्री अकाली दल का होगा : अमित शाह

नई दिल्ली। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल 6 साल बाद फिर साथ आए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन का ऐलान किया। अमित शाह ने कहा- पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। चुनाव जीतने के बाद अकाली दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। सीट शेयरिंग पर फैसला अभी नहीं हुआ है।

दोनों पार्टियां मिलकर 1997, 2007 और 2012 यानी 3 बार पंजाब में सरकार बना चुकी हैं। कृषि सुधार कानूनों को लेकर सितंबर 2020 में 24 साल बाद दोनों का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में पंजाब की 117 सीटों में से अकाली दल 3 और भाजपा महज 2 सीटें ही जीत सकी थी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह इमोशनल गठबंधन है। मेरे पिता कहते थे कि यह नाखून-मांस का गठबंधन है। जितनी देर यह गठबंधन रहा पंजाब तरक्की पर रहा। पंजाब में शांति रही।



यह रिश्ता मेरे पिताजी और अटल अडवाणी जी ने बनाया था। यह एक पारिवारिक रिश्ता है। पंजाब को बचाने की जरूरत है। अकाली दल हिंदुस्तान की दूसरी सबसे पुरानी पार्टी है। देश की आजादी और आजादी के बाद भी हमने अहम योगदान निभाया।

सुखबीर बादल ने किसानों की समस्याओं और कृषि कानूनों को लेकर उनकी मांगों पर समाधान निकालने की बात रखी। शाह का जवाब: किसानों के मुद्दे पर सुखबीर बादल के साथ तीन महीने तक विस्तार से चर्चा हुई है। किसानों की एक-एक समस्या को समझा गया। तीन महीने के भीतर इन समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिया गया है।

बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा: सुखबीर बादल ने बंदी सिखों की रिहाई की मांग रखी। अकाली दल ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से सकारात्मक कदम उठाने की अपील की।

सपा-कांग्रेस की 3 घंटे चली बैठक बेनतीजा

■ यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी, सपा 26 पर तैयार

नई दिल्ली। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में पेंच फंसता दिख रहा है। अखिलेश कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीटें देना चाहते हैं। वहीं, कांग्रेस 125 सीटों की मांग पर अड़ी है। मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर दोनों दलों के नेताओं की करीब सवा 3 घंटे बैठक हुई। इससे पहले सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कड़े तेवर में कहा- मैंने कांग्रेस को 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वह अपने उम्मीदवार उतार सकती है। सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। वहीं, सपा के ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आपत्ति जताई। कहा- हम किसी से भीख नहीं मांग रहे। यह गठबंधन के लिहाज से ठीक नहीं है। कांग्रेस आज बहुत मजबूत है। 2022 वाली कांग्रेस नहीं रह गई है। हालांकि, अखिलेश का रुख थोड़ा नरम नजर आया। लखनऊ में उन्होंने कहा- गठबंधन का मकसद चुनाव जीतना है। सपा अपने सहयोगी दलों के लिए सीटें छोड़ने और तालमेल बैठाने को तैयार है। क्योंकि यह बड़ी लड़ाई है और हमारा साझा लक्ष्य जीतना है। फिलहाल, दोनों दलों के बीच दूसरे दौर की बैठक खत्म हो गई है। दोपहर 12:15 बजे से 3:30 बजे तक करीब 3 घंटे 15 मिनट सीट शेयरिंग पर चर्चा हुई।



आंध्र प्रदेश में भोगापुरम टोल गेट के पास भीषण सड़क हादसा

■ लॉरी से कार टकराई, पांच श्रद्धालुओं की मौत

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में मंगलवार को टोल गेट के पास खड़ी एक लॉरी में कार की टक्कर से पांच लोगों की मौत हो गई. पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 7:30 बजे हुई जब एक एसयूवी सड़क के किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई. कार सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5वां व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी. जानकारी के मुताबिक ये लोग मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ. आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में मंगलवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. भोगपुरम टोल गेट के पास एक तेज रफ्तार एसयूवी सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई. हादसे के वक्त कार सवार



सभी लोग मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे. शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि संभवत: थकान के कारण कार चालक को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई होगी। हालांकि, दुर्घटना का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है. पुलिस हादसे से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है. जिसमें यह भी देखा जा रहा है कि कार किस समय टोल प्लाजा से गुजरी, यह पता लगाने के लिए टोल गेट के रिकॉर्ड की भी जांच की जाएगी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. इस हादसे के बाद सीएम चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विजयनगरम, विशाखापत्तनम और पलनाडु जिलों में हुई तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख जताया है।

श्री सत्य साईं बाबा की 101वीं जयंती पर संजीवनी अस्पताल को मिला, गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

नवा रायपुर (विश्व परिवार)। 23 नवंबर को भगवान श्री सत्य साईं बाबा की 101वीं जयंती एवं श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, नया रायपुर की 14वीं वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में विभिन्न सेवा एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया।कार्यक्रम में नारायण सेवा, ग्राम सेवा एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रभंजय चतुर्वेदी ने अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा 101 मरीजों को 'गिफ्ट आफ लाइफ' प्रदान करना रहा। यह पहल जरूरतमंद बच्चों एवं मरीजों के जीवन में नई आशा और खुशियां लेकर आई।इस गौरवपूर्ण अवसर पर श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल को 45,000 से अधिक नि:शुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न करने के ऐतिहासिक कीर्तिमान के लिए गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अस्पताल की नि:स्वार्थ चिकित्सा सेवा, मानवता के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयासों का गौरवपूर्ण प्रमाण है।

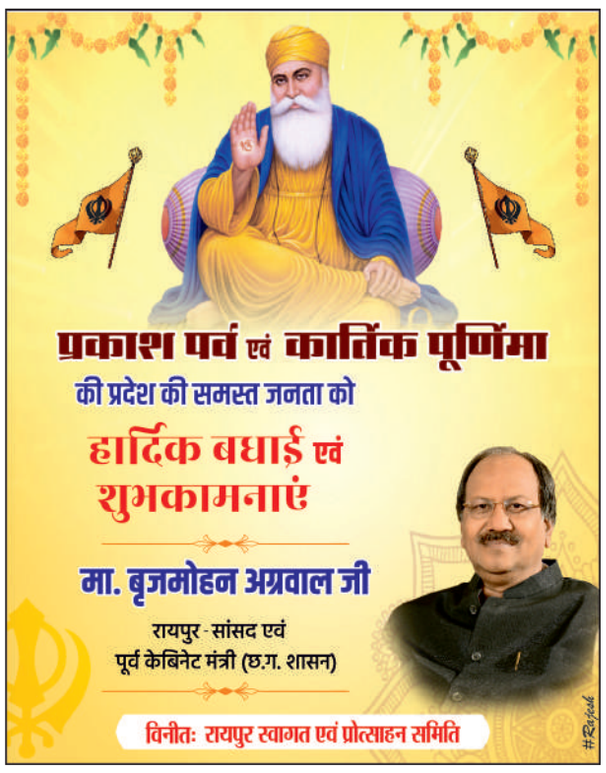
यह सम्मान अस्पताल की समर्पित चिकित्सा टीम, दानदाताओं एवं सेवाभावी सहयोगियों के अथक प्रयासों तथा भगवान श्री सत्य साईं बाबा के प्रेम एवं सेवा के दिव्य आदर्शों को समर्पित है।

भगवान श्री सत्य साईं बाबा के प्रेम, सेवा और त्याग के आदर्शों को आत्मसात करते हुए अस्पताल आज भी बिना किसी शुल्क के जरूरतमंद बच्चों एवं मरीजों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम का समापन भगवान श्री सत्य साईं बाबा के चरणों में कृतज्ञता एवं सर्वजन के कल्याण की प्रार्थना के साथ हुआ।

गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर निकला नगर-कीर्तन

रायपुर। रायपुर में सिख पंथ के पहले गुरु, गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन निकाला गया। स्टेशन रोड गुरुद्वारा से शुरू हुआ नगर कीर्तन जेल रोड होते हुए तेलीबांधा गुरुद्वारा पहुंचा। इसमें बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग शामिल हुए। नगर कीर्तन में बस्तर से आए आदिवासी नृत्य दल की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। इस बार 17 अलग-अलग पालकियों की जगह एक मुख्य पालकी निकाली गई। पूरी संगत एक साथ चलते हुए शबद-कीर्तन करती रही। नगर कीर्तन के रास्ते में जगह-जगह लंगर की व्यवस्था की गई थी। वहीं, पंजाब से आई गतका पार्टी ने पारंपरिक करतब दिखाए। गतका पार्टी ने फायर ब्रीदिंग का प्रदर्शन भी किया। इसमें कलाकार ने मुंह से आग की लपटें निकालकर लोगों का ध्यान खींचा। स्टेशन रोड गुरुद्वारा के प्रमुख इंद्रजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि इस बार नगर कीर्तन में केवल एक मुख्य पालकी निकाली गई।





दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 25 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

देश का बढ़ता प्रभाव

दुनिया में भारत के बढ़ते प्रभाव की तस्दीक करती रिपोर्ट सुखद और अनुकरणीय है। सनद रहे, ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट ने 2026 के लिए 'एशिया पावर इंडेक्स' जारी किया है। यह शक्ति सूचकांक भारत की बढ़ती ताकत का नवीनतम प्रमाण है। भारत को दुनिया का अकेला 'मेजर पावर' माना गया है और भारत से ऊपर अमेरिका व चीन को 'सुपर पावर' की श्रेणी में रखा गया है। भारत की विस्तार से चर्चा करने से पहले यह देखना रोचक होगा कि महाशक्ति के रूप में अमेरिका और चीन के बीच अंतर तेजी से घट रहा है। दोनों महाशक्तियों के बीच केवल 5.3 अंकों का अंतर रह गया है। हालांकि, चीन की बुनियाद में अमेरिकी योगदान बहुत ज्यादा है। अमेरिका ने केवल तकनीकी रूप से ही मदद नहीं की है, बल्कि एक बड़े बाजार के रूप में भी वह बीजिंग के काम आ रहा है। दशकों से अमेरिकी कंपनियां चीन को उत्पादन केंद्र बनाने में जुटी हैं। वैसे, चीन को भी श्रेय देना चाहिए। चीन ने अपने दम पर भी बहुत मेहनत से ऊंचा मकाम बनाया है। अब बात भारत की, इस विकासशील देश को तकनीकी या निवेश का लाभ चीन की तरह नहीं मिला है। यह वैश्विक हालात से लगातार प्रभावित होने के बावजूद अपने दम पर अपनी ताकत बढ़ाता आ रहा है। दूसरे देशों के थिंक टैंक भी यही मानते हैं कि कूटनीतिक जगत में भारत मजबूत स्थिति में है और उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थिर नेतृत्व से ताकत मिल रही है। ध्यान रहे, बीता समय भारत के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा है, फिर भी इसका समग्र स्कोर 40.5 माना गया है। साथ ही, आर्थिक क्षमता में कुछ गिरावट के बावजूद भारत को रैंकिंग में लाभ हुआ है। यह रिपोर्ट प्रेरित करती है कि भारत अपनी आर्थिक क्षमता के विकास पर पहले की तुलना में ज्यादा ध्यान दे। आर्थिक क्षमता जैसे-जैसे बढ़ेगी, समग्र रूप से भारत मजबूत और आत्मनिर्भर होता चला जाएगा। रुपये का लगातार कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा अर्थव्यवस्थाओं के मूल्यांकन के तरीके से भी भारत की रैंकिंग प्रभावित होती रही है। भारत को अपनी कमियों पर विशेष ध्यान देना होगा। सोमवार को ही भारतीय शेयर बाजार में जो गिरावट आई है, उससे चिंतित होना स्वाभाविक है। भारत में जिन लोगों के पास पूंजी है, उद्योग हैं, देने के लिए नौकरी है, उन्हें अपनी भूमिकाओं का तेजी से विस्तार करना चाहिए। ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी नेता हैं। काश! पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध में भारतीय कूटनीति की एक प्रभावी भूमिका होती। लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक, भारत द्वारा आयोजित सामरिक अभ्यास से लौटते समय अमेरिका द्वारा एक ईरानी नौसैनिक पोत को डुबोए जाने पर भारत की मंद प्रतिक्रिया पर भी दुनिया ने गौर किया है।

शुद्धि आंदोलन का बीजारोपण....

कुलदीप चंद अग्निहोत्री



मलकान राजपूत वापस हिंदू धर्म का अभिन्न अंग बनने के लिए राजपूत सभा को आवेदन कर रहे थे। लेकिन अब राजपूत इनको वापस लेने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे वक्त में स्वामी श्रद्धानंद आगे आए। वे गांव गांव गए। राजपूतों से संवाद किया। 'जो वापस अपने घर आना चाहता है, उसका स्वागत करो। वंदनवार सजाओ। आप किसी को जबरदस्ती तो वापस ला नहीं रहे। भारत में पहली जनगणना 1871-72 में हुई। हर दस साल बाद जनगणना होती थी। 1911 की जनगणना से पहले बंगाल के उपेन्द्र नाथ मुखर्जी, जो सेना की मेडिकल कोर में लेफ्टिनेंट कर्नल रह चुके थे, ने एक विस्तृत विश्लेषण किया जो भारत के लिए खासा चिंताजनक था। अपने विश्लेषण को लेकर उन्होंने 'मर रही एक जाति' (ए डाइंग रेस) पुस्तिका लिखी थी। संयोग की बात है कि स्वामी श्रद्धानन्द की मुखर्जी से कोलकाता में भेंट हुई। इस भेंट में मुखर्जी ने अपनी चिन्ताएं जाहिर कीं। इस भेंट का जिक्र स्वामी जी ने किया है। वे कहते हैं- फरवरी 1912 में कलकत्ता आर्य समाज के विशाल भवन में जब मैं खड़ा हुआ, उस समय यूरोपियन पोशाक पहने हुए एक बंगाली भद्र पुरुष इंडियन मेडिकल सर्विस के कर्नल उपेन्द्र नाथ मुखर्जी का मुझसे परिचय कराया गया। उनकी पोशाक देख कर मेरी उनके विरुद्ध धारण बन गयी थी, परन्तु जब उन्होंने अपनी उस पुस्तिका का उल्लेख किया जिसमें वह हिसाब से यह दिखाने जा रहे थे कि यदि कोई कारगर कदम न उठाया गया तो अगले 420 सालों में भारतीय आर्य जाति संसार से मिट जाएगी, तो मैंने उनकी देशभक्ति की मन ही मन सराहना की और मन में निश्चय किया कि भविष्य में मैं कभी बाहरी वेशभूषा से ही किसी आदमी का मूल्यांकन नहीं करूंगा। कर्नल उपेन्द्र नाथ मुखर्जी ने सन 1901 'भारत की जनगणना' सम्बन्धी अंग्रेजी पुस्तक की पहली जिल्द के पृष्ठ 122 को पढ़ कर सुनाया, जिसमें कहा गया था कि पिछले 30 साल में सम्पूर्ण भारत की कुल आबादी में हिन्दुओं का अनुपात 74 प्रतिशत से गिर कर 69 फीसदी तक पहुंच गया है। लेकिन जनगणना विभाग ने इसका कारण बताने का प्रयास भी किया था। उसके अनुसार इसका कारण यह था कि बहुत से ऐसे इलाके जहां हिन्दुओं की संख्या बहुत कम थी, अंग्रेजों के कब्जे में आते गए। यकीनन इसे देश की कुल आबादी में हिन्दुओं की जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम होती जाती। पश्चिमोत्तर भारत का उदाहरण आसानी से दिया जा सकता है। लेकिन मुखर्जी इस व्याख्या से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि सम्पूर्ण भारतीय महाद्वीप में हिन्दुओं की गिनती की गिरावट पर विचार करें तो इस ह्रास में नए इलाकों के जुड़ने का असर नहीं के बराबर है। स्वामी श्रद्धानन्द को मुखर्जी की व्याख्या ज्यादा सही लगी। मुखर्जी ने इस ह्रास की इस समस्या को इस प्रकार समझाया। पिछले तीस वर्षों में हिन्दुओं के सही ह्रास की दर 5 फीसदी के वास्तविक अनुपात को लें तो इस समय कुल आबादी में हिन्दुओं की संख्या 69 फीसदी तक है। यदि वर्तमान क्षय को रोकने की कोशिश नहीं की गयी तो हिन्दुओं की गिनती चार सौ बीस साल में समाप्त हो जाएगी। स्वामी श्रद्धानन्द मानते हैं कि मुखर्जी द्वारा दिए गए तथ्यों तथा व्याख्या का मुझ पर गहरा असर पड़ा। वे पहले से ही ईसाइयों और मुसलमानों की शुद्धि के काम में रुचि रखते थे। मुखर्जी से मिलने के बाद उन्होंने इस विषय का विशेष अध्ययन प्रारम्भ कर दिया। वे तेरह साल तक सांख्यिकी शास्त्र से माथा पच्ची करते रहे। स्वामी जी का मत था कि अब सांख्यिकी की सीढ़ियों पर चलते हुए भारत में देसी मुसलमानों की घर वापसी का हिसाब किताब करने का वक्त आ गया था ताकि जनसांख्यिकीय अनुपात को भी सही किया जा सके। स्वामी जी के इस अध्ययन और रुचि के व्यावहारिक प्रयोग का वक्त अब आ गया था। देसी मुसलमानों और देसी ईसाइयों की घर वापसी के दरवाजे खोलना और खुलवाना। ऐसे देसी मुसलमान जो अपना पुरातन घर छोडक़र यकीनन दूसरे मोहल्ले में चले गए थे लेकिन सदियों बाद भी उन्होंने अपनी पुरातन परम्पराएं नहीं छोड़ी थीं। इस्लाम पंथ में चले जाने के बाद भी क्या पुरातन को एक झटके में छोड़ देना इतना सहज होता है? अपने पुरखों को क्या इतनी आसानी से छोड़ा जा सकता है? व्यवहार में यह सम्भव नहीं होता। अरबों, तुर्कों और मुगलों के शासन काल में और अब ईसाईयों के शासन काल में जो भारतीय इन तीन पंथों में चले गए थे, वे स्वेच्छा से तो गए नहीं थे बल्कि छल-बल से गए थे। इसलिए उन्होंने बहुत बड़ी सीमा तक अपने पुरातन रीति रिवाजों, आस्थाओं को छोड़ा नहीं था। वे व्यावहारिक जीवन में अपने पुरखों के रीति रिवाजों का ही पालन कर रहे थे। अब क्योंकि भारत में हालात बदलने शुरू हो गए थे, इसलिए ये मतान्तरित भारतीय वापस अपने समाज में आना चाहते थे। समाज उनको लेने के लिए भी तैयार था, लेकिन इसके लिए विधि विधान क्या था? इस पर भारत मौन था। वापस आने वालों की भी इच्छा है और उनको अपने समुदाय में ले लेने वालों की भी इच्छा है। लेकिन इसका विधि विधान और कर्मकांड कहां है? इस्लाम पंथ, शिया पंथ और ईसाई पंथ मिशनरी पंथ हैं। इनमें पूरा विधि विधान है कि किसी दूसरे पंथ, मत या सम्प्रदाय के मानने वाले व्यक्ति को इन पंथों में कैसे शामिल करना है। मौलवी या पादरी द्वारा वह कर्मकांड पूरा करने के बाद संबंधित व्यक्ति इन पंथों में शामिल हो जाता है और उस पंथ की सामाजिक व्यवस्था में उसका स्थान भी निर्धारित हो जाता है। लेकिन भारतीय पंथ मिशनरी नहीं हैं। यहां सभी पंथ मसलन शैव पंथ, वैष्णव पंथ, लिंगायत, शाक्त मत, बौद्ध मत, जैन मत, नानक पंथी, नाथ पंथ सभी भीतर से अनेक तंतुओं द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं। वे एक दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं। इसलिए यदि कोई वैष्णव पंथी, शैव पंथ में चला जाता है तो यह उसकी आध्यात्मिक यात्रा का दूसरा चरण मान लिया जाता था। लेकिन जब कोई व्यक्ति इन भारतीय पंथों से निकल कर विदेशी मूल के किसी पंथ मसलन इस्लाम पंथ, शिया पंथ या ईसाई पंथ में जाता है तो वह उसकी अगले चरण की यात्रा नहीं है बल्कि अपनी विरासत और परम्परा को नकारना है। सामी पंथों में जाने का यही विधि विधान या कर्मकांड है। क्या हिन्दु समाज की विभिन्न बिरादरियां इसके लिए तैयार हैं? धरातल पर वे तैयार दिखाई नहीं दे रही थीं। इस विकट स्थिति से कैसे निपटा जाए? जो भारतीय अपना घर छोड़ कर चले गए थे, उनके वापस आने के लिए दरवाजा खुला रखा जाए या अब तक चली आ रही रिवायत के अनुसार ही बन्द रखा जाए? यह प्रश्न इसलिए और भी प्रासंगिक हो गया था क्योंकि उनमें से अधिकांश आग्रह कर रहे थे कि उनको अपने पुराने समाज में शामिल किया जाए और स्वीकार किया जाए। लेकिन पुराना समाज दरवाजा बन्द करके बैठा था। इस संबंध में मथुरा, आगरा, मैनपुरी, एटा अर्थात मथुरा से फर्रुखाबाद तक के क्षेत्रों में रहने वाले मलकान राजपूत का मामला चर्चित होने लगा था। इन लोगों के रीति रिवाज हिन्दुओं के समान ही थे। उनके पूर्वजों को कभी जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया था। इन लोगों की जड़ें अभी भी अपनी विरासत में ही लगी हुई थीं। मलकान राजपूत वापस हिन्दु धर्म का अभिन्न अंग बनने के लिए राजपूत सभा को आवेदन कर रहे थे। लेकिन अब राजपूत इनको वापस लेने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे वक्त में स्वामी श्रद्धानन्द आगे आए। वे गांव गांव गए। राजपूतों से संवाद किया। 'जो वापस अपने घर आना चाहता है, उसका स्वागत करो। वन्दनवार सजाओ।

आलेख

भारत-नेपाल रिश्तों में नई रवानी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह का भारत दौरा आपसी रिश्तों के बदलते दौर में एक प्रस्थान बिंदु माना जाएगा। क्षेत्र का रणनीतिक माहौल अब तक अस्थिर है। ऐसे में, अपने पहले द्विपक्षीय दौरे के लिए भारत का चुनाव करके बालेंद्र शाह संभवत: नई दिल्ली के साथ संबंधों में व्यावहारिक सोच, विकास के क्षेत्र में सहयोग और राजनीतिक संवाद को एक नई गति देना चाहते हैं। नेपाली प्रधानमंत्री की यात्रा का महत्व कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं था, वह राजनीतिक सद्भावना को आर्थिक सहयोग और आपसी संपर्क बढ़ाने वाले ठोस नतीजों में बदलना चाहते थे। यही वजह रही कि पुनर्निर्माण और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के मुद्दे प्रमुखता से बातचीत में शामिल रहे। भारत ने भी हाथ बढ़ाने में कोताही नहीं बरती। नेपाल के विकास के लिए 24,000 करोड़ नेपाली रुपये (करीब 1.62 अरब डॉलर) के पैकेज की घोषणा की गई, जो इस पड़ोसी देश की अपेक्षाओं के काफी करीब है, क्योंकि बताया जाता है कि उसने अनुदान व ऋण के रूप में करीब दो अरब डॉलर की सहायता मांगी थी। नेपाल इस रकम का इस्तेमाल जहां बाढ़ से हुए नुकसान की भरपायी और पुनर्निर्माण के लिए कर सकता है, वहीं इससे दीर्घकालिक विकास क्षमताओं को भी मजबूत किया जा सकता है। वहीं भारत के लिए यह 'पड़ोस प्रथम' की अपनी नीति को ठोस आर्थिक प्रतिबद्धताओं के जरिये आगे बढ़ाने का अवसर रहा। इससे यह संदेश भी गया है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध सिर्फ कूटनीतिक बयानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनको आर्थिक सहयोग भी दिया जा रहा है। इस यात्रा में संपर्क सुविधाओं के विस्तार को भी महत्व मिला है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या कैंट से नेपाल के जनकपुरधाम को जोड़ने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाई गई। सीमा पार आवाजाही बढ़ाने में इसका व्यावहारिक योगदान तो रहेगा ही, सांस्कृतिक संबंध को मजबूत बनाने में भी इससे मदद मिलेगी। यह ट्रेन रामायण परंपरा के जुड़े दो महत्वपूर्ण केंद्रों को जोड़ रही है, जिससे पता चलता है कि दोनों देशों के बीच मौजूद सांस्कृतिक समानताओं को क्षेत्रीय संपर्क और मेलजोल बढ़ाने का माध्यम बनाया जा सकता है। इसी तरह, नेपाल को कांडला और पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देने का फैसला भी अहम है। इससे भौगोलिक रूप से जमीन से घिरे नेपाल को समुद्री व्यापार के लिए अतिरिक्त रास्ते मिल जाएंगे। हालांकि, काठमांडू ने मुंद्रा बंदरगाह के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी थी, पर भारत की ओर से दिए गए अन्य विकल्प नेपाल के व्यापारिक मार्गों में विविधता लाने और माल ढुलाई से जुड़ी दुश्वारियों को दूर करने में मददगार हो सकते हैं।

बढ़ते वाहनों ने थामी प्रदेश की रफ्तार.....

डॉ. अनुज आचार्य

यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हिमाचल की खूबसूरत वादियों में विकास की भागती गाडिय़ों के बीच सडक़ें ही सबसे बड़ी बाधा बन जाएंगी। अब जरूरत केवल सडक़ों की लंबाई बढ़ाने की नहीं, बल्कि जाममुक्त व्यवस्था की है हिमाचल प्रदेश में सडक़ों को विकास की भाग्य रेखाएं कहा जाता है। प्रदेश के निर्माता एवं प्रथम मुख्यमंत्री डा. वाईएस परमार ने पहाड़ी राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए सडक़ संपर्क को अनिवार्य बताया था। उनके दूरदर्शी प्रयासों और बाद की सरकारों की नीतियों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश के दूरदराज के गांव भी सडक़ सुविधा से जुड़ चुके हैं। लेकिन विकास की यही उपलब्धि अब एक नई चुनौती के रूप में सामने खड़ी है। सडक़ों का विस्तार जिस गति से हुआ है, उससे कहीं अधिक आज तेजी से वाहनों की संख्या बढ़ रही है। नतीजतन प्रदेश के शहरों, कस्बों और बाजारों में यातायात जाम, पार्किंग की कमी और सडक़ दुर्घटनाओं की समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। कांगड़ा जिले के प्रमुख बाजारों में सडक़ों के किनारे अतिक्रमण, दुकानों के बाहर सजाया गया सामान, बेतरतीब तहबाजारी, अवैध पार्किंग और संकरी सडक़ें वाहनों की रफ्तार रोककर रोजाना जाम की स्थिति पैदा कर रही हैं, लेकिन यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए प्रशासन की प्रभावी सक्रियता कहीं नजर नहीं आती। ऐसे में फोरलेन व बाईपास परियोजनाओं के बनने की लोगों की आस शायद ही इसी जन्म में पूरी हो। सवाल यह भी है कि क्या हिमाचल की मौजूदा सडक़ क्षमता बढ़ते वाहनों का दबाव सहन करने में सक्षम है? पिछले एक दशक के दौरान हिमाचल प्रदेश में वाहनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में प्रदेश में कुल 1237128 वाहन पंजीकृत थे, जो 20 जनवरी 2026 तक बढक़र 2448291 हो गए। यानी लगभग दस वर्षों में वाहनों की संख्या करीब दोगुनी हो गई है। परिवहन विभाग के अनुसार प्रदेश में पंजीकृत वाहनों में दोपहिया वाहनों की संख्या 1285182 और निजी कारों की संख्या 804582 है। इसके अतिरिक्त 185645 गुड्स कैरियर, 42011 मोटर कैब और हजारों बसें, ट्रैक्टर तथा अन्य श्रेणियों के वाहन भी सडक़ों पर दौड़ रहे हैं। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर 2026 तक ही प्रदेश में 144375 नए वाहनों का पंजीकरण हुआ। इनमें 68954 दोपहिया और 57583 कारें शामिल हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि निजी परिवहन पर लोगों की निर्भरता लगातार बढ़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में बसों की समयसारिणी और सुविधाजनक परिवहन विकल्पों की कमी भी लोगों को निजी वाहन खरीदने के लिए प्रेरित करती है। आज शिमला, धर्मशाला, पालमपुर, मंडी, कुल्लू, सोलन, ऊना, कांगड़ा, बीड़ और बैजनाथ-पपरोला जैसे शहरों में यातायात जाम आम समस्या बन चुका है। पर्यटन सीजन, त्योहारों, मेलों और विवाह समारोहों के दौरान स्थिति और विकट हो जाती है। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी देश के पहले नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे 2025-26 के मुताबिक भारत में 42.6 फीसदी लोग दोपहिया से, 28.3 फीसदी पैदल, 10.7 फीसदी साइकिल से, 6.7 बस से, 6.4 फीसदी ऑटो रिक्शा से और मात्र तीन प्रतिशत लोग अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। इस समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष पार्किंग व्यवस्था है। शहरों और कस्बों में व्यावसायिक गतिविधियां तथा आवासीय निर्माण बढ़ते गए, लेकिन नियोजित पार्किंग स्थलों का विकास उसी अनुपात में नहीं हुआ। परिणामस्वरूप सडक़ें ही पार्किंग स्थल बन गई हैं। पार्किंग की समस्या का समाधान केवल चालान काटने से नहीं होगा। प्रत्येक नगर निकाय को वर्तमान और भविष्य की वाहन संख्या का आकलन करके बहुमंजिला पार्किंग, सार्वजनिक पार्किंग स्थल और निर्धारित पार्किंग जोन विकसित करने होंगे। बाजारों में माल उतारने और चढ़ाने के लिए भी निश्चित समय तथा स्थान निर्धारित किए जाने चाहिएं। बढ़ते वाहनों का संबंध केवल जाम से नहीं, बल्कि सडक़ सुरक्षा से भी है। वर्ष 2024 में प्रदेश में 2156 सडक़ दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 869 लोगों की जान गई और 3226 लोग घायल हुए। पहाड़ी मार्गों पर क्रैश बैरियर, उचित साइन बोर्ड, ब्लैक स्पॉट सुधार और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को प्राथमिकता देना आवश्यक है। नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है, अपने घरों के बाहर गलियों की जमीनों पर अनधिकृत कब्जों के चलते संकरी गलियों से छोटे वाहनों की आवाजाही में भी रुकावट पैदा होती है और वैकल्पिक जीप योग्य मार्गों के निर्माण हेतु लोग जमीन छोडऩे के लिए तैयार नहीं होते हैं। ऐसे में हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल का सार्वजनिक रास्तों, गांवों के पैदल मार्गों और सडक़ों पर अवैध कब्जा कर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फैसला सराहनीय है। इसके तहत 50000 रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। तहसीलदार और कार्यकारी/उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को मौके पर कार्रवाई करने और जुर्माना लगाने के अधिकार दिए गए हैं।हिमाचल प्रदेश की विकास यात्रा में सडक़ें हमेशा महत्वपूर्ण आधार रही हैं, लेकिन अब चुनौती केवल गांव-गांव सडक़ पहुंचाने की नहीं, बल्कि उपलब्ध सडक़ों को चौड़ा, सुरक्षित, सुगम और यातायात के अनुकूल बनाए रखने की है। सरकार को वाहनों की बढ़ती संख्या के अनुपात में सडक़, पार्किंग और सार्वजनिक परिवहन की दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। पेट्रोलिंग पुलिस, ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों में वृद्धि के साथ उन्हें क्रेन और त्वरित आवागमन हेतु नवीन वाहनों से लैस करने की भी जरूरत है। विकास का वास्तविक अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक घर में कई वाहन हों, बल्कि यह है कि आम नागरिक बिना जाम, दुर्घटना और अनावश्यक परेशानी के सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता,
महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 204150/निविदा सूचना क्र. 02/व.ले.लि./ 2026-27, दिनांक 18.11.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 09.12.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम:- धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड में महानदी मुख्य नहर के भखारा माईनर के वितरक शाखा क्र. 02 अ के अंतर्गत नहर के नवीनीकरण एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों का मरम्मत, 05 नग व्ही.आर.बी. के निर्माण तथा कुलापा पाईप लगाने का कार्य।

अनुमानित लागत:- रू. 413.24 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर) (एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 25.11.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा दिनांक 01.11.2026 से जारी किये जा रहे निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र मान्य होंगे।

कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. बांध संभाग क्र. 2, रूद्री
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

जी. 262704665/2

योग से स्वास्थ्य ही नहीं,चिकित्सा भी है....

भूपिंदर सिंह

स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कर्त्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है। हजारों साल पहले भारतीय शोधकर्ताओं ने यौगिक क्रियाओं से होने वाले लाभों को समझ लिया था जो आज की चिकित्सा व खेल विज्ञान की कसौटी पर खरा सोना सिद्ध हो रहा है। इन नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है तो मानव में शारीरिक व मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता है मन को शांत रखते हुए, हृदय की रक्त संचार व फेफड़ों की श्वास प्रणाली को साधते हुए, ऊर्जा तन्त्र का प्रयोग करते हुए हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाने की क्रियाएं हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने विकसित कर ली थी। जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ती थी, जिसे हम योग के नाम से जानते हैं। इस ज्ञान को सबसे पहले महादेव ने माता पार्वती को सुनाया। फिर गुरु-शिष्य परंपरा से विभिन्न ऋषि मुनियों ने इसे जन साधारण तक पहुंचाया। योग के द्वारा शरीर से लेकर मन तक की बीमारियों का सफल इलाज संभव है। हम प्राचीन मर्म चिकित्सा के बारे में जब पढ़ते हैं तो वहां भी शरीर के मर्म बिंदुओं पर विभिन्न योगासनों के माध्यम से ही दबाव देकर असाध्य रोगों को ठीक किया जाता है। अढ़ाई दशक पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृतियों में नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी



है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह, यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो, उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी, मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कर्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो, उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप। इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि को भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कर्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्यागपूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

अष्टानिका पर्व पर तपोवन बना पुष्पगिरी तीर्थ, व्रतचक्रवर्ती संत के साथ पूरा संघ तप साधना में लीन

■ अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी 78 उपवास की साधना में अग्रसर, शिष्यों की कठिन तपस्या भी बनी श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा



छत्रपती सभाजीनगर (विश्व परिवार)। पर्व के पावन अवसर पर पुष्पगिरी तीर्थ इन दिनों तपोवन का स्वरूप धारण कर चुका है। यहां जैन धर्म के परम तपस्वी, पट्ट विभूषण अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के सान्निध्य में पूरा संत संघ कठिन तप साधना में लीन है। व्रतचक्रवर्ती गुरुदेव अपने जीवनकाल में अब तक 7 हजार से अधिक उपवास की साधना कर चुके हैं। वर्तमान में वे पुष्पगिरी तीर्थ में जैन धर्म के तेरह द्वीप जिनालय व्रत के अंतर्गत 100 दिवसीय कठिन निर्जल उपवास की साधना कर रहे हैं। इस व्रत में 78 उपवास और 22 पारणों का क्रम निर्धारित है। नियमानुसार गुरुदेव प्रत्येक तीसरे या चौथे निर्जल उपवास के बाद आहार एवं जल ग्रहण करते हैं।

इस तप साधना की विशेषता यह भी है कि संपूर्ण चातुर्मास काल में अंतर्मना आचार्य श्री का पूरा संघ एक साथ आहार के लिए नहीं निकला। संघ में प्रतिदिन किसी न किसी संत की उपवास साधना चलती रहती है। गुरु की तपस्या और त्याग का प्रभाव है कि उनके शिष्य भी आत्मकल्याण के मार्ग पर कठिन साधनाओं के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं।

गुरु की तपस्या से प्रेरित शिष्य भी कर रहे कठिन साधना

कहावत है कि जैसा गुरु, वैसा शिष्य। अंतर्मना गुरुदेव की कठोर तपस्या को देखकर संघ के संत भी अपनी आत्मसाधना को नई ऊंचाइयां दे रहे हैं। सौम्यमूर्ति उपाध्याय मुनि श्री पीयूष सागर जी महाराज 8 उपवास की साधना में लीन हैं। उन्होंने लंबे समय से अनाज का भी त्याग कर रखा है।

वहीं मुनि श्री सामयिक सागर जी महाराज पुष्पगिरी तीर्थ की शीर्ष पहाड़ी स्थित एक जिनालय की कुटिया में 8 उपवास के साथ एकांतवास एवं मौन साधना कर रहे हैं। मुनि श्री अर्ध सागर जी महाराज भी 8 निर्जल उपवास के साथ एकांतवास और मौन साधना में लीन हैं। मुनि श्री नेगम सागर जी महाराज 8 उपवास की साधना के साथ प्रतिदिन भजन-कीर्तन कर रहे हैं।

इसी क्रम में साध्वी आर्यिका व्रत प्रभामाता जी एवं क्षुल्लिका वचन प्रभा माता जी भी 8 उपवास की कठिन तपस्या कर रही हैं। इनके अतिरिक्त संघ के अनेक संतों की तप आराधना निरंतर चल रही है। किसी के दो उपवास के बाद एक आहार का क्रम है तो कोई एक आहार और एक उपवास की साधना में जुटा हुआ है।

पुष्पगिरी तीर्थ में संतों की यह सामूहिक तप आराधना त्याग, संयम और आत्मशुद्धि का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। यहां गुरु से लेकर शिष्य तक सभी अपनी-अपनी सामर्थ्य के अनुसार तप के माध्यम से आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर हैं। संतों की इस कठिन साधना को देखकर श्रद्धालु भी धर्म, संयम और तप के महत्व को समझते हुए प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं।

गायत्री नगर में जीव कल्याण योजना का हुआ शुभारंभ

■ आचार्य शिरोमणि श्री विद्यासागर जी महाराज के जयकारों के साथ शुभारंभ



जयपुर (विश्व परिवार)। परम पूज्य आचार्य शिरोमणि श्री विद्यासागर जी महाराज ने भारत देश में जीव कल्याण के संबंध में किए गए कार्य व उपकारों को मद्दे नजर रखते हुए उनकी प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध समिति गायत्री नगर, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर के अंतर्गत गायत्री नगर में जीव कल्याण योजना का 23 नवंबर को मंदिर जी में अभिषेक व शांति धारा करने के पश्चात जैन समाज के उपस्थित श्रावक व श्राविकाओं के समक्ष मंदिर प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों द्वारा पोस्टर का विमोचन कर मूलनायक भगवान आदिनाथ जी व आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जय कारों के साथ शुभारंभ किया ।

जैन समाज के प्रचार संयोजक उदयभान जैन बडजात्या ने अवगत कराया की उक्त योजना मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह के कुशल नेतृत्व में शुभारंभ हुई। अरुण शाह द्वारा कुशल संचालन करते हुए कहा कि परम पूज्य आचार्य शिरोमणि श्री विद्यासागर जी महाराज के जीव कल्याण के कार्यों को कभी भुलाया नहीं जा सकता, उनके अनेक संस्करण सुनाते हुए इस योजना का शुभारंभ कराया। उन्होंने बताया कि कि उक्त योजना में 108 सदस्यों की सहमति प्राप्त हो चुकी है।

जीव कल्याण कार्य को गतिप्रदान करते हुए 24 नवंबर को प्रात: 8:30 बजे दुर्गापुरा स्थित गौशाला में पशु पक्षियों को चारा, दाना, पानी आदि सामग्री खिलाकर सेवाएं प्रदान कीं,और घोषणा की गयी कि प्रति दिन मूक पशु -पक्षियों का संरक्षण जयपुर महानगर के विभिन्न स्थानों पर किया जायेगा। इस अवसर पर राजेश .. चैताली बोहरा, अशोक जैन विधानसभा वाले,उदयभान जैन बडजात्या, धूप चन्द शाह, अशोक - शशि जैन मालपुरा वाले,अशोक जैन निवाई वाले, संतोष गंगवाल, सुरेश रघु विहार, आदि महानुभाव उपस्थित थे।

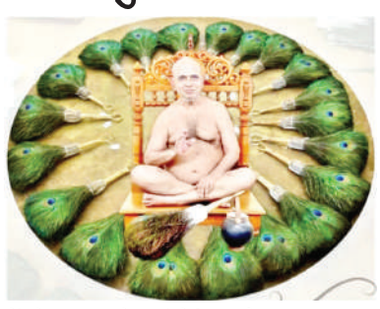
वेस्ट जोन कराटे में अर्चित को दो स्वर्ण पदक



रायपुर (विश्व परिवार)। पश्चिम क्षेत्र कराटे प्रतियोगिता में शहर के अर्चित श्रीवास्तव ने दो स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफलता प्राप्त की है। जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में 20-22 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में रायपुर के अर्चित ने सब जुनियर (8-9 वर्ष) ग्रुप के 30 किलोग्राम वर्ग में व्यक्तिगत काता और कुमिते (फाइट) स्पर्धा में यह पदक जीते हैं। इस जीत के साथ ही अर्चित दिल्ली में दिसंबर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर जोन टूर्नामेंट के लिए चयनित हुए हैं।

कराटे इंडिया आर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित छठवीं वेस्ट जोन प्रतियोगिता में सात राज्यों छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा, दमन -दीव, महाराष्ट्र ,राजस्थान और मध्यप्रदेश के लगभग 700 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता सब जुनियर, जुनियर, अंडर 18 ,सीनियर वर्गों में महिला एवं पुरूषों के व्यक्तिगत और टीम काता की विभिन्न किलोग्राम वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ की टीम (वेनम वारियर्स) के कोच शिहन आशीष कश्यप के नेतृत्व में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) कार्यालय में उप महाप्रबंधक श्री विकास श्रीवास्तव के सुपुत्र अर्चित ने पहले भी जोनल, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक हासिल किया है।

सीकर में त्याग नियम अनुसार होगा पिच्छी परिवर्तन आज



सीकर (विश्व परिवार)। 25 नवंबर को सीकर में त्याग नियम अनुसार होगा पिच्छी परिवर्तन 82 वर्षीय आर्यिका श्रीसुदृष्टि मति जी ने किए लगातार 8 निर्जल उपवास राजकीय अतिथि 77 वर्षीय आचार्य श्री वर्धमान सागर जी कुल 40 पिच्छी दंग की नसिया बजाय रोड पर विराजित है मुनि श्री प्रभास सागर,82 वर्षीय आर्यिका श्री सुदृष्टिमति की सल्लेखना साधना चल रही हैं। अष्टांहिका महापर्व में आपने 8 निर्जल उपवास किए ।अनेक नगरों से भक्त अपने अपने नगर पधारने हेतु निवेदन कर रहे है। 25 नवंबर को प्रात: श्रीजी के अभिषेक पूजन के पश्चात दोपहर को आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन, जिनवाणी भेंटकर 36 से अधिक द्रव्यों से विशेष पूजन की जावेगी । पारस नाथ 20 पंथी मंदिर कमेटी, चातुर्मास समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर के सहयोग से आचार्य श्री सहित 40 साधुओं की पिच्छी परिवर्तन होगा जिसमें नवीन पिच्छीयो का पुण्यशाली मस्तक पर धारण करेंगे शोभा यात्रा का समापन आचार्य श्री धर्म सागर सभागृह में होगा डा राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी , मुनि श्री हितेन्द्रसागर जी, श्री प्रभवसागर जी , श्री चिंतनसागर जी , श्री दर्शित सागर जी,श्री प्रबुद्धसागर जी श्री मुमुक्षुसागरजी , श्री प्रणितसागरजी, श्री ध्येय सागर जी श्री भुवनसागर जी, मुनि श्री गुणोदय सागर श्री तत्त्व सागर श्री तप सागर श्री प्रभाष सागर आर्यिका श्री शुभमती जी, ,श्री चैत्यमति जी ,श्री विलोकमति जी, श्री दिव्यांशु मति जी ,श्री पूर्णिमामति जी ,श्री मुदितमति जी , श्री समर्पितमति जी, श्री विचक्षणमति जी, श्री निर्मुक्तमति जी,श्री विन्रममति जी, श्री दर्शनामति जी, श्री देशनामति जी , श्री महायश मति जी ,श्री देवर्धिमति ,श्री प्रणत मति,श्री निर्मोहमति ,श्री पद्मयशमति, श्री दिव्ययश मति, श्री प्रेक्षामति जी, श्री सौम्यमति श्री प्रतिभा मति, श्री सुदृष्टि मति,ऐलक श्री हर्षसागर जी,क्षुल्लक श्री सुभग सागर जी ,श्री सुगुप्त सागर जी,श्री उदित सागर जी आचार्य श्री, 13 मुनि , 22आर्यिका ,1 ऐलक, 3 क्षुल्लक कुल 40 साधु हैं। व्रत नियम धारण करने संयम पर आगे बढ़ाने की प्रेरणा के साथ नई पिच्छी देकर पुरानी पिच्छी प्राप्त करने का अवसर भाग्यशाली को मिलता है एक प्रतिमा से 10 व्रत प्रतिमा तक के नियम, आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत , शुद्ध जल ग्रहण करने ,अष्टमी चतुर्दशी को उपवास एकासन, प्रतिदिन भगवान का ,अभिषेक पूजन स्वाध्याय करने का नियम होटल अभक्ष्य पदार्थों का त्याग, सप्त व्यसन का त्याग,आजीवन या माह में कितने दिन पालन का नियम, णमोकार मंत्र की जाप, आचार्य साधुओं के दर्शन करना आदि महत्वपूर्ण है नियमावली का उद्देश्य यही है कि श्रावक, श्राविका अपने जीवन को धर्म मय उन्नत बनावे।

पावागिरि में विमानोत्सव कार्यक्रम के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का हुआ समापन

■ कलुषित आत्मा की पवित्रता और पाप कर्मों को नष्ट करने के लिए करते हैं सिद्ध चक्र विधान : मुनि सुव्रतसागर।



तालबेहट (विश्व परिवार)। बुंदेलखंड के प्रसिद्ध जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि की पावन धरा पर अष्टाह्निका महापर्व में आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान सानंद संपन्न हुआ। मंगलवार सुबह वात्सल्य मूर्ति बुंदेली संत मुनि सुव्रतसागर महाराज के मंगलमय सानिध्य एवं पं. विनोद कुमार शास्त्री के नेतृत्व में चमत्कारी बाबा मूलनायक पारसनाथ स्वामी की अभिषेक शांतिधारा की गयी। तत्पश्चात विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी अंशू भैया कोलारस के निर्देशन में सिद्धचक्र महामंडल विधान में पूर्णाहूति के साथ विधान का समापन हुआ। विश्वशांति महायज्ञ एवं हवन के बाद विमानोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्री जी की गाजेबाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गयी। इस मौक़े पर मुनि सुव्रतसागर महाराज ने कहा कलुषित आत्मा की पवित्रता और पाप कर्मों को नष्ट करने के लिए सिद्धचक्र विधान करते हैं।उन्होंने कहा सिद्ध क्षेत्र पर अष्टाह्निका महापर्व में धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्त्व है, मानव जीवन को सफल बनाने के लिए एक बार सिद्ध चक्र महामंडल विधान अवश्य करें। क्षेत्र प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष विशाल पवा ने बताया की 26 से 28 नवंबर तक तीन दिवसीय वार्षिक मेला का भव्य आयोजन किया जायेगा।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

■ प्रभात फेरी, शब्द कीर्तन, अरदास और गुरु के लंगर में शामिल हुई बड़ी संख्या में साध-संगत



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सिख धर्म के प्रथम गुरु धन-धन श्री गुरु नानक देव जी का पावन प्रकाश पर्व 24 नवंबर को बलौदाबाजार में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नया बस स्टैंड स्थित सिख समाज के निर्माणाधीन गुरुद्वारे में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में साध-संगत एवं श्रद्धालुओं ने शामिल होकर गुरु महाराज के समक्ष मत्था टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रकाश पर्व के अवसर पर सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया। प्रभात फेरी के बाद गुरुद्वारे में गुरबाणी एवं शब्द कीर्तन का आयोजन किया गया। कीर्तन के माध्यम से गुरु साहिब की वाणी, गुरु नाम सिमरन और उनकी शिक्षाओं का संदेश दिया गया। इसके पश्चात सामूहिक अरदास हुई तथा दोपहर में गुरु का अटूट लंगर बरताया गया, जिसमें सभी समाजों के लोगों ने एक साथ प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन तथा अभिषेक मिकी तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका और साध-संगत को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सिख समाज के अध्यक्ष सरदार इंदर सिंह सलूजा, बलविंदर सिंह पनेसर, मंजीत कौर सलूजा, हरजीत सिंह सलूजा (राजू), दिलीप सिंह चावला, गुरुचरण सिंह चावला, मंजीत सिंह चावला, संतोष सिंह चावला, विकास गंभीर, अंशु गंभीर, निशि कौर चावला, मन्नत विकास गंभीर, रोशनी चावला, प्रिया चावला, संतोष रानी गंभीर, हरमन चावला, जिमी सलूजा, सुमिरत सलूजा, निर्मल सिंह सलूजा, नीलम सलूजा, महेंद्र कौर सलूजा, हरजिंदर कौर चावला, सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा संविधान गौरव दिवस मनाया जाना राजनैतिक पांखड : बैज

■ भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी



रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा द्वारा 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस मनाया जाना राजनैतिक पाखंड है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी है। लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने तय कर लिया था कि यदि 400 से अधिक सीटें आ जाएगी तो संविधान बदल देंगे। देश की जनता ने भाजपा को 240 में समेट दिया तो उनकी मंशा पूरी नहीं हुई, संविधान बदलने के भाजपाई मंशा के कारण देश भर में भाजपा के खिलाफमाहौल बना तो भाजपा मजबूरी में संविधान की पैरोकार बनने का ढोंग करती है। कांग्रेस ने गांधी जी के नेतृत्व में देश को आजादी दिलाई, लोकतंत्र की बुनियाद नेहरू जी ने रखा, बी.आर. अंबेडकर के प्रयासों से हमें दुनिया का बेहतरीन, लिखित संविधान मिला लेकिन भाजपा की बदनीयती संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा तो मुखौटा है, उनके पित्र संगठन आरएसएस को आरंभ से ही संविधान से शिकायत रही है। शिकायत समता और समानता के अधिकार से रही है। दलित, आदिवासी, पिछड़ों को अधिकार संपन्न बनाने से इन्हें शिकायत रही है।

पिच्छिका परिवर्तन संयम और हृदय परिवर्तन का दिवस है : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज जी

■ कुंडलपुर में चातुर्मास की साधना, आचार्य श्री समयसागर जी के कुशल नेतृत्व और पिच्छिका के आध्यात्मिक महत्व पर किया प्रेरक उद्बोधन



कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज एवं मुनि श्री पवित्रसागर महाराज सहित संघस्थ साधुओं के पिच्छिका परिवर्तन समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने पिच्छिका के महत्व, उसके आध्यात्मिक उद्देश्य और दिगंबर जैन परंपरा में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिच्छिका परिवर्तन केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं,बल्कि संयम, जीवदया और हृदय परिवर्तन का उत्सव है मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि वर्ष 2026 का चातुर्मास बड़े बाबा के चरणों में सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में संपन्न हुआ। यहां सभी साधुओं ने उत्कृष्ट स्वाध्याय, साधना और परस्पर सहयोग के साथ धर्म प्रभावना की ।यहआचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की तपोभूमि और श्रीधर स्वामी की निर्वाण भूमि कुंडलपुर इस वर्ष साधना में विशेष सहयोगी रहे। चातुर्मास में त्यागीवृत्तियों के साथ सामूहिक रूप से आचारसार ग्रंथ का स्वाध्याय किया गया। रत्नकरण्डक का स्वाध्याय संपन्न हुआ तथा कर्मकांड का स्वाध्याय निरंतर चल रहा है। सभी साधुओं ने एक-दूसरे के स्वास्थ्य और साधना का ध्यान रखते हुए प्रसन्नता के वातावरण में समय व्यतीत किया। आचार्य प्रवर श्री समयसागर जी महाराज का निरंतर आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा तथा प्रबंधकारिणी कमेटी ने भी धर्म प्रभावना के कार्यों में विशेष सहयोग दिया।

पिच्छिका के महत्व को स्पष्ट करते हुए मुनि श्री ने कहा कि मयूर पंखों से निर्मित पिच्छिका दिगंबर जैन साधु-साध्वियों के संयम का महत्वपूर्ण उपकरण है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यालय का शुभारंभ

■ राष्ट्रीय पदाधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति



जबलपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेजीशन के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों के क्रम में विगत दिवस संस्कारधानी के हर्दयस्थल बड़ा फुहारा में राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यालय का भव्य एवं विधिवत शुभारंभ संपन्न हुआ।

कार्यालय का शुभारंभ मनोहर झांझरी राष्ट्रीय अध्यक्ष के (मुख्य आतिथ्य) विशिष्ट अतिथि राकेश विनायका निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, विनय जैन राष्ट्रीय महासचिव, संजय जी पापड़ीवाल रीजन सचिव इंदौर, सीए मनोज जैन रीजन अध्यक्ष, अधिवेशन सचिव रश्मि अमित पारस, प्रदीप सुनीता लक्ष्मी, अधिवेशन कोषाध्यक्ष श्रेयांश मीना जैन, सतीश विमला वर्धमान,सुनील चित्रा घीया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण एवं मांगलिक क्रियाएं सचिन कीर्ति जैन जी द्वारा संपन्न कराई गईं, जिससे पूरा वातावरण मंगलमय एवं भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन ने बताया कि 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 3 जनवरी 2027 को माँ नर्मदा के पावन तट पर स्थित ओरिका रिसोर्ट, नागपुर रोड, जबलपुर में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, जबलपुर संस्कारधानी के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय अधिवेशन सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द एवं संगठनात्मक सहभागिता का एक भव्य उत्सव होगा। इस आयोजन में संपूर्ण भारत के 350 से अधिक ग्रुपों से 1000 से अधिक दंपति सदस्यों के सम्मिलित होने की संभावना है।

इस अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोहर झांझरी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश विनायका, राष्ट्रीय महासचिव श्री विनय जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव श्री संजय पापड़ीवाल ने अधिवेशन सम्बंधित जानकारी दी तथा सफल अधिवेशन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।श्रीमति रश्मि अमित पारस ने राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारिया सम्बन्धी पूर्ण जानकारी दी।फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव श्री प्रवीण सिंघई, श्री प्रदीप जैन, की भी गरिमामयी उपस्थिति रही साथ ही प्रशांत जैन ने इंदौर में आयोजित 27दिसंबर को जैन युवक युवती परिचय सम्मेलन की जानकारी दी।

कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप महाकोशल-विंध्य रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप ममता जैन एवं जबलपुर संस्कारधानी ग्रुप अध्यक्ष प्रदीप लक्ष्मी जैन, सचिव चित्रा सुनील घिया, कोषाध्यक्ष अनिल आरती जैन,पूर्व अध्यक्ष अमित रश्मि पारस , शरद तारा डागा, राजेंद्र संगीता जैन, वीरेंद्र मंजु, देवेंद्र जैन , यतीन्द्र प्रीति सिंघई सहित जबलपुर के विभिन्न सोशल ग्रुपों के अध्यक्ष, सचिव, पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन महाकौशल-विंध्य रीजन के सभी ग्रुपों के सामूहिक प्रयास, सहयोग एवं सहभागिता से निश्चित ही ऐतिहासिक एवं यादगार रूप में आयोजित होगा। सभी ने आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं एवं सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्तिक पूर्णिमा - सिद्धाचल भाव यात्रा में श्रद्धालुओं ने आदिनाथ भगवान की वन्दना की

■ पालिताना गिरिराज की तीर्थ यात्रा की अलौकिक संगीतमय प्रस्तुति से भक्त हुए भाव विभोर



रायपुर (विश्व परिवार)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसाइटी में कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव के पुण्यवर्धक विधान संपन्न करने भक्तों का महाविदेह आराधना केन्द्र में तांता लगा रहा, इस अवसर पर श्रीमती जयंती बोथरा , सुनीता झाबक ने बताया की आज के दिन इस तीर्थाधिराज में अनंत आत्माओं ने सिद्धाचल की यात्रा कर भव भ्रमण से मुक्ति पाई है, सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया , हम भी आज तीर्थ के पट्ट के सम्मुख पूर्ण विधि विधान से 5 चैत्यवंदन की क्रिया कर सदगति प्राप्ति की कामना करते हैं, उपरोक्त जानकारी श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने जानकारी देते हुए बताया कि विधिकारक श्राविकाओं ने सर्वप्रथम तलहटी का चैत्यवंदन प्रारंभ करते हुए दर्शनम देव देवस्यम दर्शन पाप नाशनम दर्शनम मोक्ष साधनम के दोहे से तलहटी को वंदन करते हुए चैत्यवंदन की क्रिया संपन्न कि फिर क्रम से शांतिनाथ प्रभु, रायानरुख का चैत्यवंदन, फिर पुंडरीक स्वामी जो प्रभु आदिनाथ के प्रथम गणधर, शिष्य थे जिनका मंदिर गिरिराज में प्रभु आदिनाथ के सामने बना हुआ है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026

प्रकाश पर्व पर प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने दी शुभकामनाएं

धमतरी। सिख धर्म के संस्थापक एवं महान संत गुरु नानक देव जी की जयंती और पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने समस्त प्रदेशवासियों एवं सिख समाज के लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रंजना साहू ने कहा कि गुरु नानक देव जी का संपूर्ण जीवन मानवता, प्रेम, समानता, सेवा और भाईचारे का संदेश देता है। उनके द्वारा दिए गए उपदेश 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' आज भी समाज को सत्य, परिश्रम, सद्भाव और परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने जाति, धर्म और ऊंच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर मानव सेवा को सर्वोपरि बताया।

'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' से छत्तीसगढ़ में पीएम स्वनिधि के क्रियान्वयन को मिली राष्ट्रीय पहचान

■ स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स में 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' में राज्य को मिला द्वितीय पुरस्कार



रायपुर (विश्व परिवार)। पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के छत्तीसगढ़ के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में कुल पांच राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना और पीएम स्वनिधि योजना के संयोजन से 'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' नवाचार को 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' श्रेणी में देशभर में द्वितीय स्थान मिला है। इस पहल के तहत पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाईयां और ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री श्री तोखन साहू की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव, प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, संचालक श्री नीलेश महादेव क्षीरसागर तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण (स्रष्ठ) के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं राज्य नोडल अधिकारी श्री सुनील अग्रहरि ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

ऋण शिविरों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने से पथ विक्रेताओं की भागीदारी बढ़ी

राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत आयोजित ऋण शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी बढ़ाना चुनौती थी। कई पथ विक्रेता इन शिविरों को आवेदन और दस्तावेजी प्रक्रिया तक सीमित मानते थे। इस समस्या के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट को पीएम स्वनिधि के ऋण शिविरों से जोड़ दिया। इसके तहत हेल्थ-कम-लोन कैंप आयोजित किए जाने लगे।

इन शिविरों में पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 41 प्रकार की जांच और 170 प्रकार की जेनेरिक दवाईयां उपलब्ध कराई गईं। साथ ही ऋण आवेदन भरने, परिवार की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी सहायता की गई। श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। पहले जहां एक शिविर में 50-60 पथ विक्रेता पहुंचते थे, वहीं मोबाइल मेडिकल यूनिट की मौजूदगी से ये संख्या बढ़कर 120 से 150 तक हो गई। इसी तरह प्रति शिविर ऋण आवेदनों की संख्या 20-25 से बढ़कर 60 से 70 तक पहुंच गई।

ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर तालाबों तक विकास की सौगात, भिलाई-चरोदा का होगा कायाकल्प

■ अब बदलेगा तस्वीर, मुख्यमंत्री ने किया 106 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन



दुर्ग (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा प्रवास के दौरान क्षेत्र को 10631.33 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने यहां 6516.75 लाख रुपए के 11 कार्यों का लोकार्पण और 4114.58 लाख रुपए के 70 कार्यों का भूमिपूजन किया।

सबसे बड़ी सौगात - ट्रांसपोर्ट नगर मुख्यमंत्री श्री साय ने ट्रांसपोर्ट नगर में फेज-1 लागत 2800.53 लाख रुपए, फेज-2 लागत 2910.85 लाख रुपए कुल 5711.38 लाख रुपए की लागत से बने ट्रांसपोर्ट नगर जनता को समर्पित किया। इससे व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों को बड़ी सुविधा मिलेगी। शिक्षा और खेल को बढ़ावा- वार्ड-22 चरोदा भाठापारा खेल मैदान लागत 149.95 लाख, वार्ड-14 नेहरू नगर स्वामी आत्मानंद स्कूल ऑडिटोरियम लागत 149.83 लाख रुपए, विद्यालय में अन्य विकास कार्य 118.53 लाख का लोकार्पण किया। तालाबों का हुआ पुनरुद्धार - हथखोज बांधा तालाब निर्माण कार्य लागत 110 लाख, शीतला तालाब, चरोदा बस्ती लागत 98.36 लाख रूपये, डबरा पारा तालाब लागत 49.09 लाख रुपये,जरवाय तालाब लागत 43.67 लाख रुपए, दादर तालाब लागत 42.97 लाख रुपए,ठाकुर तालाब, सिरसाभाठा लागत 42.97 लाख रुपए का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री के करकमलों से नगरोत्थान मद से 2942.96 लाख रूपए की लागत के 25 कार्य, 15वें वित्त आयोग अंतर्गत 1011.60 लाख रूपये लागत के 64 कार्य, राज्य प्रवर्तित मद अंतर्गत 62.56 लाख रुपए के 2 कार्य, 14वें वित्त आयोग अंतर्गत 48 लाख रूपये लागत के 2 कार्य, अधोसंरचना मद से 49.46 लाख रूपए लागत के 4 कार्यों का भूमिपूजन किया।

आरंग क्षेत्र में शिक्षा का हो रहा उत्थान, भैंसा और भण्डारपुरी को मिली करोड़ों की सौगात

■ कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब के विशेष प्रयासों से मिली प्रशासकीय स्वीकृति



आरंग (विश्व परिवार)। क्षेत्र की शैक्षणिक अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के नवीन मद अंतर्गत शासकीय शाला भवनों के निर्माण के लिए स्वीकृति जारी की गई है। इस सूची में रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के दो प्रमुख विद्यालयों - शासकीय हाई स्कूल भैंसा और शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भण्डारपुरी को शामिल किया गया है। क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के सतत और अथक प्रयासों से मिली इस बड़ी सौगात के बाद पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों में उत्साह और हर्ष है।

कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब जी के मांग पर शासकीय हाई स्कूल, भैंसा (ई-संवर्ग) नवीन हाई स्कूल भवन निर्माण के लिए 75.23 लाख रुपये की स्वीकृत की गई है। वर्तमान में इस विद्यालय में 121 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं और 4 शिक्षक पदस्थ हैं। नया भवन बनने से विद्यार्थियों को बैठने और अध्ययन करने के लिए पर्याप्त स्थान मिल सकेगा साथ ही ?शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, भण्डारपुरी (ई-संवर्ग) नवीन भवन निर्माण के लिए 121.16 लाख रुपये (1.21 करोड़) की राशि स्वीकृत की गई है। इस संस्थान में वर्तमान में 221 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और 8 शिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विधायक अनुज शर्मा ने बहेसर गाँव को लिया गोद, पूरे गाँव को नि:शुल्क सोलर की सौगात

■ 7 ग्रामों में जनचौपाल लगाकर समस्याओं का किया त्वरित निदान



धरसीवाँ (विश्व परिवार)। जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही 'सेवा संवाद यात्रा' के तीसरे दिन आज धरसीवाँ विधायक श्री अनुज शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के 7 ग्रामों—पठारीडीह, कन्हेरा, कुम्हारी, चिखली, बहेसर, मुरेठीं और सोन्ड्रा का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गाँवों की गलियों में पैदल भ्रमण कर घर-घर दस्तक दी, आम नागरिकों से आत्मीय भेंट-मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और क्षेत्र के विकास कार्यों पर सीधा फीडबैक लिया।

इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा, सेवा संवाद यात्रा का उद्देश्य सत्ता को जनता के द्वार तक लाना है। मोदी जी की गारंटी और विष्णुदेव साय जी के सुशासन में धरसीवाँ के हर गाँव का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीणों की हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं।

जनचौपाल में समस्याओं का त्वरित निदान और प्रमुख घोषणाएँ

यात्रा के दौरान विधायक श्री शर्मा ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'जनचौपाल' लगाकर पेयजल, बिजली, सड़क और राशन से जुड़ी ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को इनके त्वरित निदान के कड़े निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीणों की माँग पर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणाएँ कीं:

बहेसर: विधायक श्री शर्मा ने ग्राम बहेसर को गोद लेने की ऐतिहासिक घोषणा करते हुए पूरे गाँव में नि:शुल्क सोलर लाइट लगाने की सौगात दी। इसके अलावा, सीएसआर मद से शीतला मंदिर में पेवर ब्लॉक, सामुदायिक भवन रिपेयरिंग और ओपन जिम की स्वीकृति दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 'युवा जोहार - विकसित भारत @2047' कार्यक्रम का आयोजन

■ युवाओं के साथ संवाद कर विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा



रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर में 'युवा जोहार - विकसित भारत @2047' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हेमांग जोशी, सांसद, वडोदरा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में माननीय गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. कमल प्रधान भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष , शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. हेमांग जोशी ने छात्रों से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत @2047 के संकल्प से जुड़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा देश के भविष्य की सबसे बड़ी ताकत हैं। युवाओं को सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली सूचनाओं एवं समाचारों पर आंख मूंदकर विश्वास करने के बजाय उनकी सत्यता की जांच करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को जागरूक, जिम्मेदार एवं सकारात्मक सोच अपनाने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देश के विकास में योगदान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. कमल प्रधान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी में अपार क्षमता, ऊर्जा एवं प्रतिभा है। शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और कौशल विकास के माध्यम से युवा अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

सुयश हॉस्पिटल में नियमित रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी शुरू...



रायपुर (विश्व परिवार)। सुयश हॉस्पिटल, रायपुर में अब नियमित रूप से रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण (रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट) सर्जरी की सुविधा शुरू हो गई है। अस्पताल में यह सर्जरी प्रशिक्षित रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट टीम द्वारा आधुनिक तकनीक से की जा रही है। इसके लिए अस्पताल में मेड-इन-इंडिया मेरिल रोबोटिक सिस्टम और आधुनिक ओपुलेंट गोल्ड नी इम्प्लांट का उपयोग किया जा रहा है। अस्पताल में सफलतापूर्वक कई रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की जा चुकी हैं और अब यह सुविधा नियमित रूप से मरीजों के लिए उपलब्ध है।

हर कार्यदिवस उपलब्ध रहेगी सर्जरी की सुविधा

सुयश हॉस्पिटल की खासियत यह है कि यहां रोबोटिक सर्जरी के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अस्पताल का अपना रोबोटिक सिस्टम ऑपरेशन थिएटर में स्थायी रूप से स्थापित है। इसके चलते मरीज सोमवार से शनिवार तक किसी भी कार्यदिवस पर अपनी और परिवार की सुविधा के अनुसार सर्जरी की तारीख तय कर सकते हैं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दोनों घुटनों का प्रत्यारोपण एक साथ या अलग-अलग चरणों में भी किया जा सकता है।

रोबोटिक सर्जरी से मिलती है अधिक सटीकता

रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण का मुख्य उद्देश्य सर्जरी को अधिक सटीक और मरीज की शारीरिक संरचना के अनुरूप बनाना है। सर्जरी से पहले मरीज के घुटने का सीटी स्कैन किया जाता है, जिसके आधार पर 3ष्ठ प्लान तैयार किया जाता है। इससे इम्प्लांट का सही आकार, स्थिति और अलाइनमेंट पहले ही निर्धारित किया जा सकता है।

ऑपरेशन के दौरान सर्जन द्वारा योजना को अंतिम रूप देने के बाद रोबोटिक आर्म उसी के अनुसार हड्डी की कटिंग करता है। सर्जन हर चरण की निगरानी करते हैं और जरूरत के अनुसार लिगामेंट के संतुलन में बदलाव भी कर सकते हैं। इससे आसपास की मांसपेशियों और लिगामेंट को कम नुकसान पहुंचने, बेहतर अलाइनमेंट, कम दर्द और जल्दी रिकवरी में मदद मिल सकती है। मरीज सामान्य गतिविधियों की ओर जल्दी लौट सकते हैं।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में नि:शुल्क दंत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। नवा रायपुर स्थित श्री दावड़ा विश्वविद्यालय (डीयू) में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए नि:शुल्क दंत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य मुख स्वास्थ्य, दांतों की नियमित देखभाल, निवारक दंत चिकित्सा एवं समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में न्यू होराइजन डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, सकरी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से आए विशेषज्ञ दंत चिकित्सकों की टीम द्वारा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों का दंत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता के अनुसार उपचार संबंधी सुविधाएं प्रदान की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की डायरेक्टर जनरल डॉ. चार्मी दावड़ा, सीईओ श्री चिन्मय दावड़ा, मानद निदेशक श्री तुलसीदास संघानी, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. वरुण गंजिर एवं कुलसचिव श्री विपिन श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

दंत चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. स्वाति अग्रवाल के साथ डॉ. ईशान साहू, डॉ. मुस्कान मुखर्जी, डॉ. प्रगति नायक, डॉ. अमोलक सिंह एवं डॉ. खुशी मोदी शामिल रहे।

पुन्नी मेला के अवसर पर महादेव घाट में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने किया स्नान

■ हटकेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लिया आनंद



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की लोक आस्था, धार्मिक परंपरा एवं संस्कृति के प्रतीक पुन्नी मेला के पावन अवसर पर आज महादेव घाट स्थित खारून नदी में सुबह 6 बजे पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी एवं पूर्व विधायक श्री विकास उपाध्याय सहित कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विधि-विधान के साथ पुन्नी स्नान किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने खारून नदी में स्नान कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। स्नान के पश्चात सभी ने महादेव घाट स्थित प्रसिद्ध हटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

संविधान बचाओ का नारा लगाने वाली कांग्रेस पहले अपने इतिहास का जवाब दे : भाजपा



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने संविधान गौरव दिवस के दृष्टिगत कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि संविधान बचाने का नारा लगाने वाली कांग्रेस को पहले अपने इतिहास और वर्तमान आचरण का मूल्यांकन करना चाहिए। श्रीमती पाण्डे ने कहा कि जिस पार्टी ने सत्ता के लिए बार-बार संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया, वही आज संविधान की सबसे बड़ी रक्षक बनने का पाखण्ड कर रही है। श्रीमती पाण्डे ने मंगलवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से मुखातिब थीं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2015 से 26 नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई, ताकि संविधान के महत्व और डॉ. बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर के योगदान के प्रति देश में जागरुकता बढ़े। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में जिन डॉ. अम्बेडकर को संसदीय चुनावों में हराने की साजिश करके कदम-कदम पर अपमानित किया, उन डॉ. अम्बेडकर को भारत रत्न से अलंकृत कर तब सम्मानित किया गया जब देश में भाजपा समर्थित सरकार थी। श्रीमती पाण्डे ने दो टूक कहा कि कांग्रेस का इतिहास संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अवमानना के अनेक उदाहरणों से भरा है।







प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026

मुख्यमंत्री ने रिसाली को दी 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप शहरों को आर्थिक विकास के सशक्त केंद्र बना रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के शहरों को आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार और रोजगार के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और राज्य सरकार की पहल से नगरीय क्षेत्रों में आधुनिक अधोसंरचना तथा नागरिक सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार का प्रयास है कि शहरों में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर आवास, स्वच्छ पेयजल, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के नगर पालिक निगम रिसाली में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर 101 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, जल निकासी और मुक्तिधामों के उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में नगरीय विकास को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमृत मिशन से शहरों में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ने शहरों में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी-पटरी और छोटे कारोबारियों को आर्थिक संबल मिल रहा है, वहीं पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच है कि शहर केवल आबादी के केंद्र न रहें, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों के केंद्र बनें। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से मुख्य सड़कों, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सार्वजनिक परिवहन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। राज्य के छोटे-बड़े सभी शहरों में विकास की समान गति सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। रिसाली नगर निगम क्षेत्र का समग्र विकास भी इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

रिसाली में 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज रिसाली नगर निगम क्षेत्र में 101 करोड़ से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। इनमें नगर निगम के अंतर्गत 29 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत के 22 कार्यों का भूमिपूजन तथा 39 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत के दो कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

कलेक्टर की पहल से बस्तर के क्रिएटर्स को मिला मंच, कैंसर जागरूकता पर हुई चर्चा



जगदलपुर (विश्व परिवार)। कैंसर का नाम सुनते ही आज भी लोगों के मन में डर और कई तरह की भ्रांतियां पैदा हो जाती हैं। जानकारी के अभाव में कई लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, तो कुछ लोग जांच और उपचार को लेकर आशंकित रहते हैं। इसी विषय पर आम लोगों को जागरूक करने और कैंसर से जुड़ी सही जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पॉडकास्ट होस्ट राहुल कुमार पाण्डेय ने वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. भंवर लाल शर्मा से विशेष बातचीत की। बस्तर क्रिएटर हब के स्टूडियो में रिकॉर्ड की गई यह बातचीत जल्द ही डिजिटल माध्यमों पर प्रकाशित की जाएगी।

इस संवाद में कैंसर के शुरुआती लक्षण, समय पर जांच का महत्व, महिलाओं में स्तन कैंसर एवं बच्चेदानी के मुंह के कैंसर, मैमोग्राफी, पैप स्मीयर और सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही बायोप्सी कराने से कैंसर फैलने की भ्रांति, कीमोथेरेपी के प्रभाव, आधुनिक उपचार पद्धतियों जैसे इम्यूनोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी और रेडिएशन उपचार के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी ली गई। बातचीत में इस सवाल को भी प्रमुखता से उठाया गया कि क्या कैंसर का मतलब जिंदगी का अंत है और क्या चौथी स्टेज में पहुंचने के बाद भी उपचार की संभावनाएं रहती हैं।

बस्तर के संदर्भ में चर्चा करते हुए जगदलपुर के महारानी अस्पताल स्थित दीर्घायु कैंसर वार्ड, कैंसर ओपीडी, कीमोथेरेपी की सुविधाओं तथा जरूरत पड़ने पर मरीजों को बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर करने की परिस्थितियों पर भी सवाल किए गए। इसके अलावा गुड़ाखू, खैनी, गुटखा और तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान, कैंसर से बचाव के उपाय, इलाज का आर्थिक बोझ और जरूरतमंद मरीजों के लिए सरकारी सहायता जैसे विषयों को भी शामिल किया गया। राहुल कुमार पाण्डेय ने कहा कि डॉ. भंवर लाल शर्मा जैसे अनुभवी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन आम लोगों तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने डॉक्टर साहब के अनुभव, सहज संवाद और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर उपयोगी जानकारी साझा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा आदिवासी बच्चों के हक अधिकार पर खुला ढाका

■ जो आवाज उठाएगा उसके खिलाफ करवा देंगे पुलिस कार्रवाई।



रायपुर (विश्व परिवार)। कोंडागांव-प्रदेश को संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत् अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन स्तर को ऊपर उठाने के लिए विशेष अनुदान(पूंजीगत व आवर्ती) दिया जाता है इस राशि का उपयोग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा,स्वास्थ्य,पेयजल,कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किया जाता है।जिला कोंडागांव एक आदिवासी बाहुल्य जिला है इसलिए यहाँ भी आदिवासी बच्चों में शिक्षा के उत्तरोतर विकास हेतु आवासीय विद्यालय,आश्रम व छात्रावास संचालित है जहाँ आदिवासी छात्र छात्राओं को स्वादिष्ट भोजन,पोषणयुक्त आहार,आरामदायक बिस्तर सामग्री,खेल सामग्री,दवाईयां,उच्च तकनीकी उपकरण जैसे अनेकों कार्य के लिए संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत् करोड़ों रुपये की राशि आवंटन प्राप्त होती है।वर्तमान में जिला कोंडागांव में पाँच एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय,80 छात्रावास व 54 आश्रम संचालित है इतनी जगहों में से सिर्फ़ एक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शामपुर की बात करें तो संपूर्ण आवासीय विद्यालय,आश्रम व छात्रावास की स्थिति का आंकलन किया जा सकता है।

ज्ञात हो,कि जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना जिला स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति की पदेन अध्यक्ष है फ़िर भी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शामपुर में अनियमितता, भ्रष्टाचार सहित आदिवासी बच्चों का दैहिक व मानसिक शोषण लगातार होने का मामला प्रकाश में आया है।उक्त विद्यालय को वित्तीय वर्ष 2023-24में 11.09 करोड़,2024-25 में 1.89 करोड़ कुल राशि आवंटन 12.98 करोड़ मिला लेकिन न आदिवासी बच्चों को स्वादिष्ट भोजन मिल रहा है न साफ़ पेयजल मिल रहा है न दवाईयां मिल रही है न ही कोई प्रावधान अनुरूप को सुविधा मिल रही है।

बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों, से वंचित रखा जाता है ,बच्चों ने पूर्व में लेटर के माध्यम से समाज प्रमुखों से अपनी समस्याओं और आवासीय विद्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार की जानकारी प्रदान किया गया था , पत्र मे उन्होंने विद्यालय परिसर की विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला था जिसके अंतर्गत उन्हें वहां , पीने के लिए साफ पानी नहीं मिलता था वे बाथरूम के नल का गंदा पानी पीने को मजबूर है। उनका बाथरूम की कभी सफाई नहीं किया जाता। खाने पीने की समस्या से लेकर उनके खाने में कीड़े पाए जाने जानकारी बच्चों द्वारा प्रदान किया गया। खाने में एक्सपायरी सामानों उपयोग किया जाता हैं। जिससे बच्चे हमेशा बीमार रहते हैं।

छोटे छोटे कमरों में 4-5 लोगो को एक अधीक्षिका से बोलने पे उनकी बातों अनसुना किया जाता हैं, कई बार ये कहा जाता है कि तुम लोग आदिवासी हो ऐसे ही रहते हो बोल के दबाया जाता है। अधीक्षिका, हॉस्टल वार्डन हमे समय पर नहीं उठाती , क्योंकि वे स्वयं ही समय पर नहीं, जिससे हमारा प्रेयर लेट से होता हैं भी 1 घटा तक लेट से होता है। नए सत्र में हमे कोई भी नया ड्रेस नहीं दिया गया ना ही किताब दिया गया हमारे यह एक भी कंप्यूटर सिस्टम नहीं है। खेलने के लिए लिए मैदान नहीं है वही बिना तैयारी के हमे खेलो में भाग लेने को कहा जाता है।

रायपुर में 5वीं मिनी नेशनल स्पर्धा शुरू

■ 30 राज्यों के 250 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

■ बैडमिंटन स्टेडियम बनाने भी मिली सरकार की मंजूरी



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज बैडमिंटन एरीना में 5वीं मिनी राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धा शुरू हो गई है। चार दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों के करीब 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। डिप्टी सीएम और खेल मंत्री अरुण साव ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को बेहतर ट्रेनिंग और सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। सरकार ने बैडमिंटन स्टेडियम बनाने की भी मंजूरी दी है। लक्ष्य है कि प्रदेश के खिलाड़ी ओलंपिक तक पहुंचें और देश के लिए मेडल जीतें।

बैडमिंटन स्टेडियम बनाने को मिली मंजूरी

डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सरकार काम कर रही है। इसी के तहत बैडमिंटन स्टेडियम बनाने की मंजूरी दी गई है। इससे खिलाड़ियों को बेहतर प्रैक्टिस और प्रतियोगिताओं के लिए सुविधाएं मिल सकेंगी। सरकार की कोशिश है कि प्रदेश के खिलाड़ी नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाएं। अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अब इंटरनेशनल लेवल पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में एशियन पैरा गेम्स-2026 में प्रदेश के अभिजीत सखूजा ने पैरा बैडमिंटन में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनकी इस उपलब्धि पर 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के खिलाड़ियों को ओलंपिक तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन 'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि खेल से युवा अपना भविष्य बनाने के साथ प्रदेश और देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम सिसोदिया, सचिव संजय मिश्रा, कोषाध्यक्ष संजय भंसाली, कविता दीक्षित, अनुराग दीक्षित सहित खेल अधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य स्तरीय सेमिनार



जगदलपुर (विश्व परिवार)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा 19 नवंबर को रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भारत स्काउट्स गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डाक्टर के.के खण्डेलवाल एवं राज्य के मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा , राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा एवं राज्य के अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे। राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त के द्वारा भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संगठनात्मक विस्तार, राज्य में स्काउटिंग गतिविधियों के संचालन तथा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई। साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर बस्तर जिले से सुधा परमार गाइड कमिश्नर को एडवांस कमिश्नर कोर्स का पार्चमेंट और गोल्डन रोप प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा स्काउटिंग गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में बस्तर जिले के स्काउटर एवं गाइडर दशरू राम यादव, मीरा हिरवानी, मनोज महापात्र, जमुना ठाकुर, लिलेश देवागंन, गिर वर सिंह राव टे, भूमिका दास निषाद, कंचन विश्वकर्मा, दीपा ठाकुर, भरतराम यादव, प्रदीप पाढी सम्मिलित हुये। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।

आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा 26 नवंबर से

बलौदाबाजार। शासकीय डी के स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार के प्राचार्य डॉ पुरुषोत्तम झा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है की बी ए, बी एस सी के प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमिस्टर के समस्त नियमित, अमहाविद्यालइन एवं ए टी के टी के छात्र छात्राओं की आतंरिक मूल्यांकन परीक्षा 26 नवंबर को प्रात: 11 बजे से प्रारंभ होंगी. विस्तृत समय सारिणी हेतु अपने विभाग से सम्पर्क करें एवं महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड से जानकारी लें. प्राचार्य ने बताया कि अनुपस्थित रहने कि स्थिति मे विश्वविद्यालइन परीक्षा परिणाम प्रभावित होता है अत: किसी भी स्थिति मे आतंरिक मूल्यांकन को हलके मे न लें और अनुपस्थित न रहें. अनुपस्थित होने कि स्थिति मे पूरी जिम्मेदारी छात्र छात्राओं की रहेगी।

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने गुरुद्वारों में मत्था टेककर लिया आशीर्वाद

■ प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की



रायपुर (विश्व परिवार)। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान संत श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र और रायपुर के विभिन्न गुरुद्वारों में पहुंचकर मत्था टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर विकास उपाध्याय ने हीरापुर, टाटीबंध सहित विधानसभा क्षेत्रऔर रायपुर के विभिन्न गुरुद्वारों में पहुंचकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ अरदास की। उन्होंने गुरुद्वारों में उपस्थित सिख समाज के धर्मगुरुओं, वरिष्ठजनों एवं संगत से मुलाकात कर गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विकास उपाध्याय ने कहा कि गुरु नानक देव जी का संपूर्ण जीवन मानवता, प्रेम, भाईचारे, समानता और सेवा का संदेश देता है। उन्होंने समाज को जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भाव रखने की प्रेरणा दी। गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रही हैं।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हो चुकी है : कांग्रेस

■ स्वास्थ्य मंत्री बड़बोलापन छोड़ विभाग की दुर्दशा सुधारे



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जांच और इलाज नहीं हो पा रहा। प्रदेश नकली दवाओं का केंद्र बन चुका है, राजधानी सहित सभी मेडिकल कॉलेजों में, हर सरकारी अस्पताल में लगातार नकली दवाएं मिल रही है। मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा, मेकाहारा जैसे अस्पताल में एक बेड पर दो प्रसूता को बच्चों के साथ लिटाया जाता। स्वास्थ्य मंत्री व्यवस्था सुधारने के बजाय उस पर पर्दा डालने में लगे है। मेकाहारा जैसे अस्पताल में एमआरआई और सीटी स्केन की फिल्म तक नहीं है। जांच के लिये किट नहीं मिलती है। सामान्य जांच के लिये मरीज भटकते है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता में लोगो का ईलाज है ही नही, भाजपा सरकार के लिये स्वास्थ्य विभाग केवल भ्रष्टाचार करने का अड्डा मात्र बना हुआ है। प्रदेश के वर्तमान 10 मेडिकल कालेजो में 2660 स्वीकृत पदो में से 1290 पद लगभग आधे खाली पड़े है। ऐसे में मरीजो का कैसे ईलाज होगा। जिला अस्पताल तो सुविधाओ के आभाव में दम तोड़ रहे। स्वास्थ्य केन्द्र, उपस्वास्थ्य केन्द्रो में 65 प्रतिशत स्थानों तथा जिला अस्पतालो में 60 प्रतिशत पद खाली पड़े है। राज्य के सरकारी अस्पतालो में ईलाज कम भ्रष्टाचार अधिक होता है। प्रदेश के अधिकांश सरकारी अस्पतालो मेडिकल कॉलेजों में नकली दवाये उपयोग की शिकायते सामने आ चुकी है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि स्वास्थ्य बजट का सही क्रियान्वयन न होने, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की कमी, समय पर दवाओं की आपूर्ति न होने और मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के बजट में कटौती के चलते ही स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। शहरी और मैदानी इलाकों में स्वाइन फ्लू ने भयावह रूप ले लिया है। अस्पतालों में वेंटिलेटर, आइसोलेशन वार्ड और जरूरी दवाओं का भारी अभाव है। विभागीय मंत्री विज्ञापनबाजी और कागजी बैठकों तक ही सीमित है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि बेहद शर्मनाक है कि राज्य के लोगो की बड़ी उम्मीद मेकाहारा रायपुर तथा डीकेएस अस्पताल भी अव्यवस्था और सरकार की लापरवाही का शिकार है। मेकाहारा में करोड़ो की मशीने स्टालेशन के आभाव में तथा योग्य चिकित्सको होने के बाद मेकाहारा में सुविधाये नहीं होने के कारण लोगो के ईलाज में देरी होती है। सरकार कभी दवाई नहीं उपलब्ध करवा पाती तो कभी एक्सरे फिल्म, तो कभी पैथालाजी के सामन। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

बिचौलियों के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 393 कट्टा अवैध धान जब्त

बलौदाबाजार। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के बीच अवैध धान भंडारण और बिचौलियों पर जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने विभिन्न तहसीलों में कार्रवाई करते हुए कुल 393 कट्टा अवैध धान जब्त किया है। इसके साथ ही एक स्थान से लगभग 15 क्विंटल खुला धान और दूसरे स्थान से 15 कट्टा चावल भी जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिमगा अनुविभाग मे राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम कामता स्थित शायब ट्रेडिंग कंपनी से 279 कट्टा धान एवं लगभग 15 क्विंटल खुला धान जब्त किया। इसी तरह तहसील लवन के ग्राम भालुकोना में विमल ट्रेडर्स की दुकान से 90 कट्टा धान जब्त किया गया।वहीं, तहसील टुंड्रा के ग्राम गिरौदपुरी में बिसाहू साहू किराना स्टोर से 10 कट्टा धान एवं 15 कट्टा चावल तथा ग्राम नरधा में पूनाराम ट्रेडर्स से 14 कट्टा धान जब्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में 15 नवम्बर से खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने और किसानों के हितों की रक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा बिचौलियों, अवैध भंडारण एवं अनियमितताओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कलिंगा विश्वविद्यालय में 'गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न



रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा 20 नवंबर 2026 को 'गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज (GLP)' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान प्रयोगशालाओं में सुरक्षा, गुणवत्ता और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए प्रयोगशाला कर्मचारियों के व्यावसायिक कौशल तथा उपकरण प्रबंधन, दस्तावेजीकरण व नियामक अनुपालन की समझ को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एल. श्रीकांत के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात फार्मेसी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रजनी यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विशेषज्ञ वक्ताओं का परिचय कराया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तीन प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए:

प्रथम सत्र (GLP के मूल सिद्धांत एवं सुरक्षा): रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. शिल्पी श्रीवास्तव ने GLP के बुनियादी सिद्धांतों, प्रयोगशाला की जिम्मेदारियों, सुरक्षा मानकों, संभावित खतरों की पहचान, जोखिम निवारण और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (PPE) के समुचित उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्र (उपकरण एवं अपशिष्ट प्रबंधन): विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार निगम ने प्रयोगशाला उपकरणों के सुरक्षित संचालन, कैलिब्रेशन, निवारक रखरखाव (Preventive Maintenance), 5S पद्धति के माध्यम से स्वच्छता एवं सुव्यवस्था, इन्वेंट्री प्रबंधन तथा वैज्ञानिक अपशिष्ट के निस्तारण पर जानकारी दी।

तृतीय सत्र (दस्तावेजीकरण एवं आपातकालीन प्रबंधन): फार्मेसी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री रजनी यादव ने प्रयोगशाला रजिस्टरों के संधारण, मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOPs), उपकरण रिकॉर्ड, आपातकालीन तैयारी, घटनाओं की रिपोर्टिंग और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम के अंत में संवादात्मक चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र और प्रतिभागियों का फीडबैक लिया गया, जिसमें विश्वसनीय शोध परिणामों और सुरक्षित कार्य वातावरण के लिए मानक प्रक्रियाओं के पालन पर जोर दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs)-विशेष रूप से लक्ष्य 3 (अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण), लक्ष्य 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), लक्ष्य 9 (उद्योग, नवाचार एवं आधारभूत संरचना) और लक्ष्य 12 (जिम्मेदार उपभोग एवं उत्पादन)- के अनुरूप आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का समापन सुश्री रजनी यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस पहल के माध्यम से कलिंगा विश्वविद्यालय ने प्रयोगशाला मानकों को ऊंचा उठाने, कर्मचारियों के कौशल विकास और शोध कार्यों में गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

धुएँ से मुक्ति
स्वच्छ ईंधन
स्वस्थ नारी

प्रधानमंत्री
उज्ज्वला योजना

छत्तीसगढ़ की
39.73
लाख+
महिलाओं को मिला
गैस कनेक्शन



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

SAMVAD- 49814/10

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर